दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 24 ■ दमण, शनिवार 11 अक्टूबर 2025, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

संघ प्रदेश थ्रीडी में स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव को लेकर चुनाव निदेशक ने की प्रेस कांफ्रेंस

दानह और दमण-दीव में ग्राम पंचायतों, जिला पंचायतों और नगरपालिका के चुनाव की अधिसूचना जारी

■ 5 नवंबर को होगा मतदान ■ स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराने के लिए चुनाव विभाग तैयार:निखिल देसाई ■ 17 अक्टूबर तक किये जा सकेंगे नामाकंन: 20 अक्टूबर को दीपावली का अवकाश होने के चलते 21 अक्टूबर को नामांकन वापस लिये जा सकेंगे

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दमण, 10 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव में आगामी आम चुनावों के बारे में मीडिया और जनता को जानकारी देने के लिए पंचायत एवं नगरपालिका चुनाव निदेशक निखिल देसाई की अध्यक्षता में आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। जिसमें चुनाव निदेशक निखिल देसाई ने चुनाव प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए चुनाव कार्यक्रम एवं प्रमुख तिथियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए नामांकन 17 अक्टूबर 2025 तक दाखिल किए जा सकते हैं, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 18 अक्टूबर 2025 को की जाएगी। उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर 2025 है, लेकिन 20 अक्टूबर को सरकारी अवकाश होने के चलते 21 अक्टूबर को भी नामांकन फार्म वापस लिये जा सकेंगे। निखिल देसाई ने आगे बताया कि मतदान 5 नवंबर 2025 को एक ही चरण में आयोजित किया जाएगा और पूरी चुनाव प्रक्रिया 11 नवंबर 2025 से पहले पूरी हो जाएगी। सक्रिय नागरिक भागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए निखिल देसाई ने प्रदेश के सभी पात्र मतदाताओं से आगे आने और बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रत्येक वोट लोकतांत्रिक ताने-बाने को मजबूत करने और पारदर्शी और प्रतिनिधि स्थानीय शासन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चुनाव निदेशक ने यह भी आश्वासन दिया कि डीएनएच और डीडी के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि चुनाव आयुक्त द्वारा मतगणना की तिथि घोषित होने के बाद इसकी जानकारी उपलब्ध करा दी जायेगी। उन्होंने कहा कि अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन प्रक्रिया भी शुरु हो गई है। उन्होंने बताया कि चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है जिसका अनुपालन करना जरुरी है। इस प्रेस कांफ्रेंस में संयुक्त चुनाव निदेशक आशीष मोहन भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि दीव जिले की 2 ग्राम पंचायत झोलावाडी और बुचरवाडा तथा दीव जिला पंचायत का चुनाव होगा। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया भी शुरु हो चुकी है। 5 नवंबर को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा।

संघ प्रदेश थ्रीडी प्रशासक प्रफुल पटेल से डीडीए की टीम ने की शुभेच्छा मुलाकात

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दमण, 10 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक प्रफुल पटेल से आज दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन की टीम ने शुभेच्छा मुलाकात की। इस अवसर पर डीडीए चेयरमैन लखम टंडेल के नेतृत्व में डीडीए की टीम ने प्रशासक प्रफुल पटेल से मिलकर उन्हें गुलदस्ता भेंटकर उनका अभिवादन किया।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्था आरसेटी सिलवासा ने सिलाई में प्रशिक्षित 22 लडकियों को वितरित किया सिलाई किट

असली आजादी न्यूज नेटवर्क सिलवासा, 10 अक्टूबर। आरसेटी सिलवासा द्वारा सिलाई में प्रशिक्षित 22 लडकियों को हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा सिलाई किट वितरित की गईं। बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा संचालित, दादरा नगर हवेली के स्थानीय लोगों को विभिन्न प्रकार का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। हाल ही में आरसेटी ने दादरा नगर हवेली की 25 लडकियों को सिलाई काम का प्रशिक्षण प्रदान किया है। उनमें से 22 लडकियों को चुना गया है। जिन्हें हिंडाल्को लिमिटेड ने अपनी सीएसआर गतिविधि के माध्यम से सिलाई किट वितरित की। हिंडाल्को लिमिटेड सखी नामक अपनी परियोजना के तहत आरसेटी सिलवासा द्वारा सिलाई में प्रशिक्षित उम्मीदवारों को सहायता प्रदान कर रहा है। वितरित कार्यक्रम आरसेटी सिलवासा के परिसर मे आयोजित किया गया। जिसमें हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सीएसआर आसिस्टेंट मैनेजर रिंकल परमार एवं डिज़ाइनिग डिपार्टमेंट आसिस्टेंट मैनेजर श्रीदेवी गुटे और आरसेटी सिलवासा के डायरेक्टर विशाल कंदी सहित आरसेटी सिलवासा के कर्मचारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। 22 उम्मीदवारों को सिलाई किट सौंपी और उन्हें भविष्य में सफलता के लिए प्रेरित किया और शुभकामनाए दीं।

संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया से दीव भाजपाईयों ने की शुभेच्छा मुलाकात

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दमण, 10 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया से आज दीव भाजपाईयों ने दमण भाजपा कार्यालय पर शुभेच्छा मुलाकात की। इस अवसर पर संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा उपाध्यक्ष अमृता बामणिया, नरसिंह चारणिया, उमेश रामा, करसन राजा, जेन्ती सोलंकी, प्रवीणभाई, हितेश चारणिया, अमृतलाल बामणिया ने भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया को पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका अभिवादन किया।

दीव में महिलाओं ने करवा चौथ व्रत रखकर पति की लंबी आयु की कामना की

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दमण, 10 अक्टूबर। दीव में महिलाओं ने श्रद्धा और विश्वास के साथ करवा चौथ का व्रत रखकर भगवान से पति की लंबी आयु की कामना की। दीव में आज महिलाओं ने करवा चौथ का व्रत रखा। हर साल की तरह इस साल भी महि22लाओं ने दीव के गणपति मंदिर में श्रद्धा और विश्वास के साथ पूजा की और करवा चौथ की कथा सुनी। इसके बाद चांद निकलने पर पति के हाथों से पानी पीकर व्रत तोड़ा। करवा चौथ की पूजा के दौरान महिलाओं ने अपने पति के साथ और उनकी लंबी उम्र की कामना की। साथ ही भगवान से प्रार्थना की कि वे हमेशा सुहागन रहें।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट वाहनों पर लगाए जाएं पशुओं के प्रति दयाभाव दर्शाने वाले स्लोगन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दमण, 10 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव प्रशासन का परिवहन विभाग न केवल सड़क पर चलने वाले व्यक्तियों की सुरक्षा के प्रति जागरूक है, बल्कि पशुओं की जीव हानि न हो, इसके प्रति भी चिंतित है। प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व और परिवहन सचिव निखिल देसाई के मार्गदर्शन में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्राल2य, भारत सरकार के सुझाव पर काम करते हुए संघ प्रदेश के परिवहन विभाग द्वारा प्रदेश के सभी पब्लिक ट्रांसपोर्ट वाहन22 मालिकों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने-अपने वाहनों पर पशुओं के प्रति दयाभाव दर्शाने वाले स्लोगन लगाकर अपने-अपने नैतिक एवं वैधानिक दायित्वों का अनुपालन करें। परिवहन विभाग द्वारा कहा गया है कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट वाहनों पर Be Kind To Animals या पशुओं पर दया करो जैसे स्लोगन छपाई या स्टीकर के रूप में लगाए जाने चाहिए। इसमें इस बात का खास ध्यान रखा जाए कि अक्षरों का आकार 150 एमएम से कम न हो तथा वाहन की कलर के अनुरूप हो, ताकि उसे आसानी से पढ़ा जा सके।

1.45 करोड़ की लूट मामले में टीआई सहित 9 पुलिसकर्मी सस्पेंड

सिवनी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में सिवनी पुलिस पर 1.45 करोड़ की लूट के आरोप लगे हैं। मामले कार्रवाई करते हुए आईजी प्रमोद वर्मा ने बंडोल टीआई सहित 9 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया है, सीएसपी पूजा पांडे के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया गया है। पुलिस के सूत्रों ने बताया कि कटनी से नागपुर के लिए एक कारोबारी अपनी गाड़ी में हवाला के 1.45 करोड़ लेकर जा रहा था। तभी पुलिस को इस बात की सूचना मिली, इसके बाद गाड़ी को सीलादेही के पास रोककर 1.45 करोड़ बरामद किए गए। आरोप है कि पुलिस ने कार्रवाई न करने का आश्वासन देकर व्यापारी को जाने देकर राशि का गबन किया। दूसरे दिन जब व्यापारी वापस पहुंचा और कोतवाली में पूरी घटना की शिकायत दी। तब पूरे मामले का खुलासा हुआ। निलंबित पुलिसकर्मियों में बंडोल टीआई अर्पित भैरम, सीएसपी का रीडर रविंद्र उइके, ड्राइवर, दो गनर, सीएसपी कार्यालय में तैनात दो आरक्षक और बंडोल थाने का एक आरक्षक शामिल है। आईजी वर्मा ने बताया कि 1.45 करोड़ की बरामदगी के मामले में बंडोल टीआई सहित 9 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। साथ ही सीएसपी पूजा पांडे के ख़िलाफ़ कार्रवाई के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा जा रहा है।

तमिलनाडु के प्रसिद्ध तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में कुल 5.28 करोड़ का चढ़ावा आया

थूथुकुडी (एजेंसी)। तमिलनाडु के प्रसिद्ध तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर को श्रद्धालुओं से भारी मात्रा में चढ़ावा मिला है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, हाल ही में खुले हंडियों (दानपात्र) से कुल 5.28 करोड़ का चढ़ावा प्राप्त हुआ है। इसमें नकद राशि के साथ 1,905 ग्राम सोना और 72,255 ग्राम चांदी शामिल है। शुक्रवार को चढ़ावे की गिनती का कार्य शुरू हुआ, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस प्रक्रिया की निगरानी ठक्कर अरुलमुरुगन और जॉइंट कमिश्नर रामू कर रहे हैं। गिनती में शिवकाशी पथिनेन सिद्धार मठ पीडम टीम की मदद ली जा रही है। पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए मंदिर प्रशासन ने सख्त सुरक्षा व्यवस्था की है। तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर भगवान मुरुगन के छह प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है। यहां हर साल लाखों भक्त दर्शन के लिए आते हैं। विशेष रूप से त्यौहरों और कार्तिगई दीपम के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। मंदिर अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त चढ़ावे का उपयोग मंदिर के रखरखाव, सामाजिक कल्याण और भक्तों की सुविधाओं के विस्तार में किया जाएगा। सोना और चांदी को धार्मिक परंपराओं के अनुसार संरक्षित किया जाएगा। इस भारी चढ़ावे ने एक बार फिर तिरुचेंदूर मंदिर की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को उजागर किया है, जहां भक्त आस्था और श्रद्धा के साथ अपनी भेंट अर्पित करते हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में 37 दिनों में फैसला, आरोपी को 20 साल की जेल और 50 हजार जुर्माना

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भुवनेश्वर में विशेष न्यायाधीश प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस (पॉक्सो) सह चौथे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, खुर्दा ने ऐतिहासिक और त्वरित फैसले में एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोपी को 37 दिनों के भीतर दोषी ठहराया। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) सुभंजन मोहंती ने दुष्कर्म और गंभीर यौन उत्पीड़न के मामले में मामला दर्ज होने की तारीख से 37 दिनों के भीतर दोषसिद्धि का फैसला सुनाया। दोषी मुन्ना बेहरा को 20 साल के सश्रम कारावास (आरआई) और 50,000 रुपये के जुर्माने का भुगतान करने की सजा सुनाई गई है। जुर्माना ना देने पर एक साल अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) को अदालत द्वारा पीड़िता को छह लाख रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया।विशेष लोक अभियोजक सुब्रत प्रियदर्शिनी ने भुवनेश्वर के अभियोजन उप निदेशक हेमंत कुमार स्वाई की सक्रिय निगरानी में मामले की सुनवाई की थी।

आतंकी जैश संगठन अब महिलाओं का कर रहा ब्रेनवॉश, तैयार कर रहा ब्रिगेड

-पढ़ी-लिखी और शहरी महिलाओं को आकर्षित करने दे रहा धार्मिक रंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान और पीओके में कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था, जिसमें जैश का हेडक्वार्टर भी शामिल था। अब एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि जैश के आतंकी भारत के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जैश-ए-मोहम्मद अब महिलाओं का एक ब्रिगेड तैयार कर रहा है। 2024 के बाद से महिलाओं के बीच प्रभाव बढ़ाने के मकसद से जैश ने जमात अल-मुमिनात नाम की महिलाओं की ब्रिगेड तैयार की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस ग्रुप का जिक्र एक सर्कुलर में किया गया है, जिसका इस्तेमाल महिला सदस्यों की भर्ती और उन्हें प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है। रिपोर्ट में खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जमात अल-मुमिनात जैश-ए-मोहम्मद का महिला विंग है, जो साइकोलॉजिकल वारफेयर और ग्राउंड लेवल पर भर्ती के लिए काम कर रहा है। यह ग्रुप जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश और दक्षिण भारत के राज्यों में ऑनलाइन नेटवर्क के जरिए सक्रिय है। इसका काम धर्म के नाम पर महिलाओं का ब्रेनवाश करना है। सूत्रों के मुताबिक जैश के सर्कुलर में मक्का और मदीना की तस्वीरें लगाई गई है ताकि संगठन की बातों को धार्मिक रंग दिया जा सके। वहीं इसके जरिए पढ़ी-लिखी और शहरी महिलाओं को आकर्षित करने के लिए भावनात्मक बातें भी लिखी गई हैं। जैश की तरह जमात अल-मुमिनात भी सेल-आधारित स्ट्रक्चर पर काम करती है। इसके अलग-अलग ग्रुप सोशल मीडिया के जरिए महिलाओं को भर्ती करने, चंदा जुटाने और संदेश पहुंचाने का काम करते हैं। सर्कुलर के पाकिस्तानी कनेक्शन के सबूत भी मिले हैं।

लखनऊ में बसपा के महा आयोजन में उड़ी भीड़ को देखकर विरोधियों की चिंता बढ़ना लाजमी : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने लखनऊ में पार्टी संस्थापक कांशीराम की 19वीं पुण्यतिथि में शामिल होने आए लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विरोधियों की बातों पर बिना ध्यान दिए मिशन 2027 के लिए जुट जाए है। मायावती ने एक्स पर लिखा, बहुजन समाज पार्टी के जन्मदाता एवं संस्थापक कांशीराम जी के 19वें परिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ के वीआईपी रोड पर बसपा की सरकार द्वारा निर्मित किए गए विशाल व भव्य 'मान्यवर कांशीराम स्मारक स्थल' में हुए महा आयोजन में अपने खून-पसीने की कमाई से हर उम्र के आए लोगों में भी खासकर युवाओं व महिलाओं की रिकॉर्ड तोड़ भीड़ व उनके जोश और उमंग के साथ-साथ प्रदेश के अगले चुनाव में अपनी बहनजी की पांचवीं बार सरकार बनाने के लिए जिद के साथ काम करने के दृढ़ संकल्प को देखकर विरोधी पार्टियों/ संगठनों आदि की नींद व उनके नेताओं के होश उड़ जाना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि इस क्रम में इनकी बेतुकी बातें एवं बयानबाज़ी को महत्व न देकर इनके बारे में कुछ ना कहा जाए यही बेहतर होगा। वैसे भी बहुजन समाज के लोग अपने वोटों के बलबूते पर शोषित से शासक वर्ग बनकर बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का सपना पूरा करने के लिए कितने तत्पर व संघर्षशील हैं, इसकी स्पष्ट झलक कल उन लोगों ने यूपी सहित पूरे देश में देख ली है। अब उन्हें विरोधियों के साम, दाम, दंड, भेद आदि हथकंडों से सजग व सावधान रहकर आगे अपने मिशन 2027 में पूरे तन, मन, धन से लग जाना है, यही संदेश है। साथ ही, लखनऊ में हुए महा-आयोजन में, इन्हें अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के साथ-साथ बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष को सुनने के लिए यूपी के सभी 75 जिलों के गांव-गांव व शहर-शहर से बसपा के लाखों-लाखों की संख्या में पार्टी के लोग पहुंचे थे, जिन्हें सुरक्षित लाने व वापिस ले जाने में यूपी बसपा यूनिट के हर स्तर के सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों, नेताओं व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं आदि ने अपनी अहम भूमिका निभाई है इन सभी की पार्टी बहुत-बहुत आभारी है।

मायावती ने कहा कि इस महा आयोजन में किसी न किसी रूप में उनके योगदान एवं भागीदारी के लिए पार्टी के सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, अनुयायियों, शुभचिन्तकों आदि का पूरे तहेदिल से बहुत-बहुत आभार, शुक्रिया व धन्यवाद।

केंद्रीय वन्यजीव कानून में संशोधन करने वाला पहला राज्य बना केरल : विजयन

तिरुअनंदपुरम (एजेंसी)। केरल के सीएम पिनराई विजयन ने कहा है कि केरल केंद्रीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 में संशोधन करने संबंधी विधेयक पारित करने वाला पहला राज्य बन गया है। विधानसभा ने केरल में मानव-पशु संघर्ष की बढ़ती घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से एक विधेयक पारित किया। सीएम विजयन ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि केरल वन्यजीव संरक्षण संशोधन विधेयक का पारित होना बढ़ते मानव-पशु संघर्षों को दूर करने और वन के पास रहने वाले समुदायों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

उन्होंने कहा कि ये सुधार मानव जीवन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा और लोगों एवं प्रकृति के बीच सामंजस्य को बढ़ावा देने की केरल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। मीडिया रिपोर्ट में आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक विधेयक राजभवन भेजा जाएगा वहां से इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा क्योंकि यह केंद्रीय कानून से संबंधित है। यह विधेयक पिछले महीने विधानसभा में पेश किया गया था।

राज्य के वन मंत्री ए के शशींद्रन ने एक दिन पहले विधानसभा को सूचित किया था कि राज्य सरकार को इस केंद्रीय अधिनियम में संशोधन के लिए इसलिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि केंद्र सरकार से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद बदलाव नहीं किए। उन्होंने कहा कि मानव-पशु संघर्ष एक ऐसा मुद्दा है जो राज्य की एक-तिहाई आबादी के जीवन को सीधे तौर पर प्रभावित करता है।

ट्रंप की प्रशंसा करने पर पीएम मोदी पर कांग्रेस नेता का तंज... अपने दावे का अर्धशतक पूरा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और पार्टी के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशंसा करने पर तीखा कटाक्ष किया, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा करते हुए अर्धशतक पूरा कर लिया कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए व्यापार और टैरिफ को इस्तेमाल किया।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ अपनी मुलाकात के दौरान, व्यापार और टैरिफ को अपना ब्रह्मास्त्र बनाकर ऑपरेशन सिंदूर रोकने के अपने दावे का अर्धशतक पूरा किया। ट्रंप की प्रशंसा और सराहना के लिए प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधकर कांग्रेस नेता ने गाजा में नरसंहार की निंदा न करने और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात न करने पर भी तंज कसा। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को पूरा दिन ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से बात करने और राष्ट्रपति ट्रंप की प्रशंसा करने में बिताया। बेशक, वह इस दौरान उस व्यक्ति से बात करना नहीं भूले जिसने गाजा में नरसंहार किया था, इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी। इससे पहले 9 अक्टूबर को, कांग्रेस सांसद ने कहा था कि गाजा शांति योजना के पहले चरण पर समझौते के बाद प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इज़राइली प्रधानमंत्री की बिना शर्त प्रशंसा चौंकाने वाली, शर्मनाक और नैतिक रूप से निंदनीय है। लेकिन चौंकाने वाली, शर्मनाक और नैतिक रूप से निंदनीय बात यह है कि श्री मोदी ने श्री नेतन्याहू की बिना शर्त प्रशंसा की है जिन्होंने पिछले बीस महीनों में गाजा में नरसंहार फैलाया है।

'नेपो बॉय' राहुल गांधी पर गिरिराज का बड़ा वार, कहा- यह लाल बबुआ अगंभीर नेता हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें ÷लाल बबुआ÷ कहा। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि कांग्रेस नेता विदेश में रहते हुए वीडियो कॉल के ज़रिए बिहार विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन कर रहे हैं। सिंह ने राहुल गांधी को एक गंभीर नेता करार देते हुए उन पर केवल भारत को नीचा दिखाने और देश में झूठी बातें फैलाने पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया।

पत्रकारों से बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी को एक विशेषाधिकार प्राप्त बेटा और नेपो बॉय बताया और कहा, 'एक शब्द है 'नेपो किड'। मैं उन्हें नेपो किड नहीं कहूँगा क्योंकि वह एक 'नेपो बॉय' हैं। एक विशेषाधिकार प्राप्त बेटा, वह एक 'लाल बबुआ' हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर वह विदेश में बैठकर वीडियो कॉल के ज़रिए उम्मीदवारों का चयन कर रहे हैं, तो मतदाता भी उनसे वर्चुअली मिलेंगे। वह एक अगंभीर नेता हैं जिनका एकमात्र काम भारत को नीचा दिखाना और देश में झूठी बातें फैलाना है।

गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विशेष जाँच रिपोर्ट (एसआईआर) पर दिए गए बयान पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसमें उन्होंने उन पर अपने नेतृत्व में रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमानों को सुरक्षित महसूस कराने का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं पर हमलों को उजागर करते हुए, सिंह ने कहा, 'ममता बनर्जी को खुद को भारत के एक राज्य की मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार करने की ज़रूरत है। वह सोचती हैं कि वह बंगाल की प्रधानमंत्री हैं, इसलिए वहाँ का कानून अलग है... केवल रोहिंग्या बांग्लादेशी मुसलमान (बंगाल में) सुरक्षित हैं...क्या भारतीय नागरिकों के लिए प्रमाणपत्र होना ज़रूरी होना चाहिए? मैं यह (प्रश्न) देश के नागरिकों के सामने रखता हूँ। तब ममता बनर्जी समझ जाएँगी।'

अयोध्या में घर में हुए विस्फोट पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। गिरिराज सिंह ने कहा, 'मुझे पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन विस्फोट एक दुखद खबर है। अभी तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। जब मस्जिद में विस्फोट होगा, तब वे प्रतिक्रिया देंगे। लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। जिसने भी यह अपराध किया है, उसे सजा मिलेगी।'

कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है, उन्हें समझाया जाए सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति : उद्धव

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि कुछ लोगों ने ''अपनी आंखों पर पट्टी बांध रखी है'' और उन्हें यह समझाना ज़रूरी है कि सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति क्या होती है। वह यहां उपनगरीय बांद्रा स्थित अपने घर मातोश्री के बाहर कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के स्वागत में लगाए गए बैनरों पर उनकी तस्वीर को लेकर कटाक्ष किया और कहा कि मंत्री अपने प्रचार के प्रति जुनूनी हैं। शिंदे शिवसेना के प्रमुख हैं। ठाकरे ने कहा, क्या आप (शिंदे) उनके (स्टार्मर) क़रीब भी पहुंच पाए? वे आत्म-प्रचार में मुग्ध हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर परोक्ष हमला करते हुए उन्होंने कहा, सच्ची देशभक्ति और हिंदुत्व को समझाना ज़रूरी है। कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित किसान हताश हैं और सरकार ने उनके लिए छल का पैकेज घोषित किया है। ठाकरे हाल में भारी बारिश और बाढ़ के कारण फसलें गंवाने वाले किसानों के लिए घोषित वित्तीय सहायता का ज़िक्र कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे शनिवार को छत्रपति संभाजीनगर में किसानों के लिए 'अपर्याप्त' वित्तीय पैकेज के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लेंगे।

केंद्रीय मंत्री का दावा कहा- उच्च जाति के लोगों को खटकता है दलित समुदाय का सीजेआई होना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई के सामने जूता उछालने की घटना पर केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने दावा करते हुए कहा कि यह घटना इसलिए हुई क्योंकि उच्च जाति के कुछ लोग इस बात को स्वीकार नहीं कर सके कि दलित समुदाय से आने वाले न्यायमूर्ति गवई इतने ऊंचे पद पर पहुंच गए हैं। बता दें कि सोमवार को राकेश किशोर नाम के 72 वर्षीय वकील ने कोर्ट में सीजेआई गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। हालांकि, तब हरकत में आए सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक लिया था। उस दौरान सीजेआई ने किशोर को जाने देने के लिए कहा था। वहीं, दिल्ली पुलिस ने भी परिसर में लंबी पूछताछ के बाद वकील को छोड़ दिया था।

उन्होंने मांग करते हुए कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले व्यक्ति के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। प्रमुख दलित नेता और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री आठवले ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह घटना निंदनीय है। मंत्री ने कहा, प्रधान न्यायाधीश पर हमले का प्रयास पहली बार हुआ है। भूषण गवई दलित समुदाय से हैं और उन्होंने अपनी योग्यता के आधार पर यह पद हासिल किया है। उन्होंने कहा कि उच्च जाति समुदाय के कुछ सदस्य इस तथ्य को पचा नहीं पा रहे हैं।आठवले ने कहा, मैं मांग करता हूं कि आरोपी पर एससी/एसटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए, क्योंकि न्यायमूर्ति गवई पर इसलिए हमले का प्रयास किया गया क्योंकि वह दलित हैं। इससे पहले किसी भी प्रधान न्यायाधीश पर हमला नहीं हुआ था।

गवई ने गुरुवार को कहा कि वह और जस्टिस के विनोद चंद्रन उस समय स्तब्ध रह गए थे जब छह अक्टूबर को एक वकील ने उन पर जूता फेंकने का प्रयास किया था। प्रधान न्यायाधीश ने जूता फेंकने के प्रयास की घटना पर कहा, सोमवार को जो कुछ हुआ उससे मैं और मेरे विद्वान साथी (न्यायमूर्ति चंद्रन) बहुत स्तब्ध हैं; हमारे लिए यह एक भुलाया जा चुका अध्याय है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने किशोर की सदस्यता खत्म कर दी है। इसके अलावा वकील के सुप्रीम कोर्ट में प्रवेश पर भी रोक लगाई गई है। जूता फेंकने के मामले में आरोपी का कहना है कि वह भगवान विष्णु की मूर्ति को लेकर सीजेआई की तरफ से की गई टिप्पणी से आहत है।

दिल्ली-एनसीआर में बच्चों को दीवाली का जश्न मनाने दें...सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

-राज्यों ने 2 घंटे ग्रीन पटाखे फोड़ने की मांगी परमिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों के निर्माण और बिक्री की अनुमति से जुड़ी याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान दिल्ली-एनसीआर से जुड़े राज्यों ने सर्वोच्च न्यायालय से आग्रह किया कि इस दीवाली पर सीमित समय के लिए ग्रीन पटाखों को फोड़ने की अनुमति दी जाए, ताकि बच्चे त्यौहार का आनंद ले सकें।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, जिन्होंने राज्यों की ओर से पक्ष रखा, ने कोर्ट से अनुरोध किया कि बच्चों को कम से कम दो घंटे पटाखे फोड़ने की अनुमति दी जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि रात 8 बजे से 10 बजे तक प्रमाणित ग्रीन पटाखे चलाने की इजाजत दी जा सकती है। मेहता ने कहा, दीवाली बच्चों का त्योहार है। उन्हें दो दिन तो जश्न मनाने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि राज्यों की ओर से कुछ व्यावहारिक सुझाव दिए गए हैं, जिन पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अनुमति केवल नेशनल एनवायरमेंट इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनईईआरआई) द्वारा प्रमाणित ग्रीन पटाखों के निर्माण और बिक्री तक सीमित रखी जाए। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 26 सितंबर को अपने आदेश में एनईईआरआई-सर्टिफाइड ग्रीन पटाखों के निर्माण की अनुमति दी थी, लेकिन एनसीआर क्षेत्र में उनकी बिक्री पर रोक बरकरार रखी थी, जब तक कि कोर्ट से स्पष्ट मंजूरी न मिल जाए।

दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के 16 जिले शामिल हैं, जहां वायु प्रदूषण हर साल दीवाली के बाद खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। इसी वजह से पिछले कुछ वर्षों से अदालत और प्रशासन द्वारा पारंपरिक पटाखों पर प्रतिबंध लगाया गया है।

95 साल से किसी भी भारतीय वैज्ञानिक को नहीं मिला नोबेल पुरस्कार

-कम फंडिंग, नौकरशाही, शोध क्षमताओं के विकास में बाधाओं के कारण भारत पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में काम करने वाले किसी वैज्ञानिक को फिजिक्स, केमिस्ट्री या मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार मिले अब 95 साल हो गए हैं। 1930 में सी वी रमन को फिजिक्स का नोबेल पुरस्कार मिला था, जो आज तक भारत में काम करने वाले किसी वैज्ञानिक को मिला एकमात्र सम्मान है। इसके बाद हरगोविंद खुराना (1968, मेडिसिन), सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर (1983, फिजिक्स) और वेंकटरमन रामकृष्णन (2009, केमिस्ट्री) ने यह पुरस्कार जीता था, लेकिन ये सभी अपने काम के समय भारत से बाहर रहते थे और भारतीय नागरिक नहीं थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत में वैज्ञानिक और शोध क्षमताओं के विकास में कई बाधाएं आती हैं। मूलभूत रिसर्च पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता, सरकारी फंडिंग कम है और नौकरशाही के कारण काम धीमा होता है। निजी क्षेत्र में रिसर्च के लिए प्रोत्साहन और अवसर सीमित है। विश्वविद्यालयों में शोध क्षमता कमजोर है और जनसंख्या के अनुपात में शोधकर्ताओं की संख्या वैश्विक औसत से पांच गुना कम है। यही कारण है कि भारत में नोबेल पुरस्कार के लिए योग्य वैज्ञानिकों का समूह बहुत छोटा है।

भारत से कई वैज्ञानिकों को नोबेल के लिए नॉमिनेट किया गया, लेकिन पुरस्कार नहीं मिला। मेघनाद साहा, होमी भाभा और सत्येंद्रनाथ बोस को फिजिक्स में, जीएन रामचंद्रन और टी शेषाद्रि को केमिस्ट्री में और उपेंद्रनाथ ब्रह्मचारी को मेडिसिन में नामांकित किया गया। जगदीश चंद्र बोस और के एस कृष्णन जैसे वैज्ञानिक अपने अहम योगदान के बावजूद वंचित रहे। ईसीजी सुदर्शन को 1979 और 2005 में भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से दो बार वंचित रखा गया। सीएनआर राव के सॉलिड स्टेट केमिस्ट्री में योगदान को भी नोबेल योग्य माना, लेकिन उन्हें अब तक यह सम्मान नहीं मिला है।

वैज्ञानिक पुरस्कारों में अमेरिका और यूरोप का दबदबा ज्यादा रहा है। उत्तरी अमेरिका और यूरोप के अलावा केवल नौ देशों के शोधकर्ताओं ने विज्ञान में नोबेल पुरस्कार जीते हैं। जापान ने 21 पुरस्कार जीतकर एशिया में सबसे ज्यादा जीते हैं। अमेरिका और यूरोप में मजबूत रिसर्च इंफ्रास्ट्रक्चर, वित्तीय सहयोग और बेहतर इको-सिस्टम के कारण वहां के वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार जीतने में सफलता मिलती है।

भारत के वैज्ञानिकों को सम्मान नहीं मिलने का कारण केवल पुरस्कार प्रणाली नहीं है। अनुसंधान के लिए फंडिंग, बुनियादी ढांचा और सरकारी समर्थन की कमी ने वैज्ञानिकों के काम को पूरी तरह विकसित होने से रोका है। भविष्य में भारत के वैज्ञानिकों की नोबेल जीत मुख्य रूप से उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और जुगाड़ पर निर्भर रहेगी, न कि सिस्टम के समर्थन पर।

वित्त विभाग ने 7,350 करोड़ की पीएलआई योजना पर उठाए सवाल

- योजना से चीन पर निर्भरता घटेगी, पर नई आयात निर्भरता पैदा होगी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय के वित्त विभाग (डीओई) ने भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) द्वारा प्रस्तावित 7,350 करोड़ की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना पर सवाल उठाए हैं। यह योजना देश में रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम) के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए तैयार की गई है, जिससे चीन से आयात पर निर्भरता कम की जा सके। वित्त विभाग ने चेताया कि योजना से एक निर्भरता कम जरूर होगी, लेकिन भारत को दुर्लभ पृथ्वी ऑक्साइड के लिए अन्य देशों पर निर्भर होना पड़ेगा। भारत में केवल इं डियन रेयर अर्थ लिमिटेड (आईआरईएल) ही 500 टन ऑक्साइड की आपूर्ति कर सकती है, जबकि 5 प्लांटों के लिए सालाना 1,500 टन की जरूरत होगी। डीओई ने यह भी चिंता जताई कि भारी सब्सिडी मिलने से कंपनियों को लागत घटाने या नवाचार करने की प्रेरणा नहीं मिलेगी। साथ ही, अगर हर ऑटोमोबाइल कंपोनेंट में कमी या संकट के चलते अलग योजना

बनेगी, तो यह एक गलत उदाहरण बन सकता है। विभाग ने यह भी सवाल किया कि आरईपीएम योजना को नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन के तहत क्यों नहीं लाया गया। साथ ही यह सुझाव दिया कि सरकार को स्पष्ट दीर्घकालिक रणनीति बनानी चाहिए, क्योंकि दुनिया आरईपीएम के विकल्प जैसे आयरन नाइट्राइड और स्ट्रॉन्शियम-फेराइट मैग्नेट्स की ओर बढ़ रही है।

इरडा के तिमाही नतीजे 14 अक्टूबर को आएंगे, दमदार रिजल्ट की उम्मीद

कंपनी ने दूसरी तिमाही में लोन सैंक्शन और डिस्बर्समेंट में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की

नई दिल्ली ।

इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (इरडा) अपने दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2025) के वित्तीय नतीजे 14 अक्टूबर 2025 को जारी करेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि इस दिन बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में तिमाही और एच1 (हाफ ईयर) के स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड नतीजों को मंजूरी दी जाएगी। इरडा ने इस तिमाही में बिजनेस के लिहाज से बेहतरीन प्रदर्शन किया है। कंपनी ने जुलाई से सितंबर 2025 के बीच 33,148 करोड़ रुपए के लोन सैंक्शन किए, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 17,860 करोड़ के मुकाबले 86 फीसदी ज्यादा है। वहीं लोन डिस्बर्समेंट 15,043 करोड़ रुपए रहा, जो साल-दर-साल आधार पर 54 फीसदी की बढ़त है। नवंबर 2023 में आईपीओ लॉन्च करने वाली इरडा का शेयर 32 रुपए पर जारी हुआ था और लिस्टिंग के दिन 50 रुपए पर खुला। तब से अब तक इसका शेयर मूल्य 149.15 रुपए तक पहुंच चुका है, जिससे निवेशकों को शानदार रिटर्न मिला है। अब बाजार की नजर 14 अक्टूबर को आने वाले वित्तीय नतीजों पर है। निवेशक खासतौर पर कंपनी की आय, मुनाफा और एसेट क्वालिटी में सुधार की उम्मीद कर रहे हैं।

अब अमेजन पर भी रॉयल इनफील्ड की बाइक ऑनलाइन उपलब्ध

- घर बैठे होगी डिलीवरी, पांच शहरों में शुरू हो गई सर्विस

नई दिल्ली ।

अगर आप रॉयल इनफील्ड की बाइक खरीदना चाहते हैं तो अब आपको शोरूम जाने की जरूरत नहीं होगी। अब फ्लिपकार्ट के बाद अमेजन ने भी रॉयल इनफील्ड की बाइक ऑनलाइन उपलब्ध करा दी है। अब अपने पसंद की बाइक को घर पर ही डिलीवर करवा सकते हैं। फिलहाल यह सुविधा देश के 5 शहरों में शुरू की गई है और आगे इसमें अन्य शहरों को भी जोड़ा जाएगा। प्रीमियम मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड ने बताया है कि उसके ब्रांड वाली 350 सीसी की सभी मोटरसाइकिल अब ऑनलाइन ई-कॉमर्स मंच अमेजन से खरीदी जा सकेंगी। इसमें क्लासिक 350, बुलेट 350, हंटर 350, गोअन क्लासिक 350 और नई मेट्योर 350 जैसी बाइक शामिल हैं। कंपनी के अनुसार अब ये सभी बाइक अमेजन इंडिया पर रॉयल एनफील्ड ब्रांड के बिक्री केंद्र के जरिये बेची जाएंगी। ग्राहक ऑनलाइन ऑर्डर करने के बाद अपने घर पर ही डिलीवरी ले सकते हैं। फिलहाल पांच प्रमुख शहरों अहमदाबाद, चेन्नई, हैदराबाद, दिल्ली और पुणे के ग्राहकों के लिए ही यह सेवा शुरू की गई है। इन शहरों में मोटरसाइकिल की आपूर्ति और बिक्री के बाद की सेवाएं ग्राहक के शहर में मौजूद उनके पसंदीदा रॉयल एनफील्ड डीलरशिप के जरिये की जाएगी। अमेजन से पहले फ्लिपकार्ट ने भी रॉयल इनफील्ड की बाइक को ऑनलाइन बेचना शुरू कर दिया है। फ्लिपकार्ट पर 22 सितंबर यानी नवरात्र की शुरुआत से ही 350 सीसी वाली बाइकों की बिक्री शुरू की जा चुकी है। कंपनी ने बताया है कि 350 सीसी की रेंज वाली सभी बाइक उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। फ्लिपकार्ट इन बाइकों की डिलीवरी देश के 5 चुनिंदा शहरों में कर रहा है, इसमें बैंगलुरु, गुरुग्राम, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई शामिल हैं।

एसबीआई में एमडी पद प्राइवेट बैंकरों के लिए खुला

नई दिल्ली ।

सरकार ने पहली बार देश के सबसे बड़े पब्लिक सेक्टर बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) के पद पर प्राइवेट सेक्टर के अनुभवी बैंकरों को आवेदन करने का मौका दिया है। अब एसबीआई के चार एमडी पदों में से एक पर प्राइवेट क्षेत्र के उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं। यह बदलाव सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों में नेतृत्व चुनने के तरीके में क्रांतिकारी माना जा रहा है। फाइनेंशियल सर्विसेज इंस्टीट्यूशंस ब्यूरो (एफएसआईबी) को उम्मीदवारों का मूल्यांकन कर सिफारिश करने का अधिकार दिया गया है। इस प्रक्रिया में अब एनुअल परफारमेंस एप्रेसियल रिपोर्ट अनिवार्य नहीं होगी, जो पहले शीर्ष पदों के लिए जरूरी थी। एफएसआईबी उम्मीदवारों की व्यवहारिक और कौशल क्षमता के आकलन के लिए एचआर एजेंसी की मदद भी ले सकेगा, पर चयन में एजेंसी शामिल नहीं होगी। इसके अलावा उम्मीदवारों को पिछले दस साल में किसी प्रकार की सजा नहीं मिली होनी चाहिए। इस पद के लिए आवश्यक है कि उम्मीदवार के

पास कम से कम 21 साल का प्रोफेशनल अनुभव हो, जिसमें 15 साल बैंकिंग क्षेत्र का अनुभव अनिवार्य है। साथ ही, उम्मीदवार को किसी बैंक के बोर्ड स्तर पर दो साल या बोर्ड से नीचे टॉप लेवल पर तीन साल का अनुभव होना चाहिए।

2026 की दूसरी तिमाही में लॉन्च होगी निसान टेकटॉन

नई दिल्ली ।

बहुराष्ट्रीय कंपनी निसान मोटर इंडिया ने अपनी मोस्ट-अवेटेड सी-सेगमेंट एसयूवी, टेकटॉन, का खुलासा कर दिया है। भारतीय बाजार में कंपनी इसे 2026 की दूसरी तिमाही में लॉन्च करने वाली है। टेकटॉन निसान और रेनॉल्ट की साझेदारी वाले चेन्नई प्लांट में तैयार होगी और भारत के साथ कुछ ग्लोबल मार्केट्स में भी एक्सपोर्ट की जाएगी। यह एसयूवी प्रीमियम और प्रैक्टिकल दोनों ही तरह की है और इसे हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस, मारुति ग्रैंड विटारा, टोयोटा हायराइडर, स्कोडा कुशाक और फॉक्सवैगन टाइगुन जैसी गाड़ियों को टक्कर देने के लिए तैयार किया गया है।

'टेकटान' नाम ग्रीक शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'कारीगर' या 'निर्माता।' निसान का कहना है कि यह नाम उनकी इंजीनियरिंग और डिजाइन फिलॉसफी को दर्शाता है। कंपनी इसे उन ग्राहकों के लिए पेश कर रही है जो अपने करियर, जीवनशैली और पैशन के जरिए अपनी पहचान बनाते हैं।

टेकटॉन का डिज़ाइन आकर्षक और दमदार है। इसमें फ्लैट बोनट, वी-मोशन ग्रिल, स्प्लिट हेडलैम्प्स और सी-शेप एलईडी डीआरएलएस

शामिल हैं। रग्ड बंपर, बड़े अलॉय व्हील्स और चौड़े व्हील आर्च इसे मजबूत लुक देते हैं।

टेकटॉन निसान की भारत में नई ग्रोथ स्ट्रैटेजी का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसके बाद कंपनी सब-4 मीटर एमपीवी और 7-सीटर एसयूवी भी पेश करेगी। साइड प्रोफाइल में हिमालय से प्रेरित डबल-सी पैटर्न है, जबकि पीछे की ओर फुल-विड्थ एलईडी टेललाइट बार, स्क्वेयर लैंप्स और रियर स्पॉइलर इसकी प्रीमियम अपील बढ़ाते हैं। पावरट्रेन के मामले में यह एसयूवी सीएमएफ-बी प्लेटफॉर्म पर बेस्ड होगी। इसमें पेट्रोल और हाइब्रिड इंजन ऑप्शन मिलने की उम्मीद है, और टॉप वैरिएंट में ऑल-व्हील ड्राइव भी हो सकता है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 13 पैसे की बढ़त के साथ ही 88.66 पर बंद हुआ। सबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 88.80 पर कमजोर खुला, लेकिन जल्द ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.78 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की बढ़त है। गुरुवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 88.79 पर बंद हुआ था। कारोबारियों ने कहा कि मजबूत अमेरिकी डॉलर और आयातकों की मांग के कारण रुपये पर दबाव पड़ा। हालांकि, घरेलू बाजारों में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में कमी ने गिरावट पर अंकुश लगाया। छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.32 पर रहा।

असम में चाय उद्योग में सभी उत्पादकों की जगह बनी रहनी चाहिए: रवि कोटा

कोलकाता । असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने कहा है कि राज्य के चाय उद्योग में मौजूद दोहरी संरचना, जिसमें बड़े संगठित उत्पादक और छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) शामिल हैं, भविष्य में भी बनी रहनी चाहिए। उन्होंने इस संरचना को आवश्यक बताते हुए कहा कि दोनों को एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाए बिना सह-अस्तित्व बनाए रखना होगा। असम भारत का सबसे बड़ा चाय उत्पादक राज्य है, जो देश की सालाना चाय उत्पादन का लगभग आधा हिस्सा देता है। बड़े संगठित उत्पादकों को बागान अधिनियम के तहत कई कल्याणकारी दायित्व निभाने होते हैं, जबकि छोटे उत्पादक इन दायित्वों से मुक्त हैं। एसटीजी का योगदान भारत की कुल चाय उत्पादन में 50 फीसदी से अधिक है। कोटा ने चाय के लिए न्यूनतम स्थायी मूल्य (एमएसपी) लागू करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक ऐसा मॉडल तैयार किया जाना चाहिए जो किसानों के लिए न्यायसंगत हो। साथ ही चाय के आयात में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उत्पाद के मूल स्रोत की जानकारी उपभोक्ताओं को मिलनी चाहिए।

जुबिलेंट हॉलिस्टरस्टियर करेगी अमेरिका में 300 मिलियन डॉलर का निवेश

- स्टेराइल इंजेक्टेबल्स की उत्पादन क्षमता होगी दोगुनी

नई दिल्ली । जुबिलेंट फार्मा लिमिटेड की अमेरिकी शाखा जुबिलेंट हॉलिस्टरस्टियर एलएलसी अमेरिका में अपनी स्टेराइल इंजेक्टेबल दवाओं की उत्पादन क्षमता को दोगुना करने के लिए 300 मिलियन डॉलर (लगभग 2,500 करोड़) का निवेश करेगी। यह निवेश वित्त वर्ष 2027-28 तक पूरा होने की योजना है। कंपनी ने यह विस्तार वाशिंगटन के स्पोकेन में स्थित अपने विनिर्माण संयंत्र में किया है, जहां तीसरी उत्पादन श्रृंखला की स्थापना 132 मिलियन डॉलर की लागत से की गई है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि यह वेश कंपनी की उत्पादन क्षमता को मौजूदा 5 करोड़ शीशियों से बढ़ाकर 10 करोड़ शीशियों प्रति वर्ष कर देगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फार्मा उत्पादों पर लगाए गए भारी शुल्कों के चलते लिया गया है, ताकि अमेरिकी बाजार में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा मिल सके और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जा सके।

JUBILANT PHARMOVA

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 328.72 अंक की बढ़त के साथ 82,500.82 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 103.55 अंक बढ़कर 25,285.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज निफ्टी पर 3,174 शेयरों में से 1,905 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। वहीं 1,177 शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा 92 शेयरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया।

आज सिप्ला , एसबीआई , मारुति सुजुकी , डॉ. रेड्डीज़ लैब्स व भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि टा स्टील, टीसीएस व एचडीएफसी लाइफ का शेयरगिरावट के साथ 747.30 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा जेएसडब्ल्यू स्टील और टेक महिंद्रा के शेयर में भी गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 50 से ज्यादा अंक की गिरावट लेकर 82,075.45 पर खुला। खुलने के बाद इंडेक्स में गिरावट बढ़ गई और यह 82,072 तक फिसल गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी गिरावट के साथ 25,167.65 पर खुला। । एशिया के बाजारों में वॉल स्ट्रीट की तरह ही गिरावट देखी गई। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 1.08 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 0.85 फीसदी और जापान का निक्केई 0.63 फीसदी नीचे आया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.81 फीसदी ऊपर रहा। अमेरिकी शेयर बाजार अपने हालिया रिकॉर्ड उच्च स्तर से नीचे गिर गए। एसएंडपी 500 में 0.28 फीसदी की गिरावट आई। नैस्डैक में 0.08 फीसदी की गिरावट आई और डॉव जोन्स 0.52 फीसदी गिरकर बंद हुआ।

एयर इंडिया की नई उड़ान सेवा दिल्ली से लंदन 26 अक्टूबर से

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने आगामी शीतकालीन मौसम को ध्यान में रखते हुए दिल्ली और लंदन (हीथ्रो) के बीच अपनी चौथी दैनिक उड़ान शुरू करने की घोषणा की है। यह नई सेवा 26 अक्टूबर से शुरू होगी। इसके साथ ही लंदन रूट पर एयर इंडिया की कुल साप्ताहिक उड़ानों की संख्या 24 से बढ़कर 28 हो जाएगी। कंपनी के अनुसार, इस अतिरिक्त उड़ान से यात्रियों के लिए प्रति सप्ताह 1,196 सीटें और उपलब्ध हो जाएंगी। सर्दियों के व्यस्त मौसम को देखते हुए यह कदम यात्रियों को अधिक विकल्प और लचीलापन प्रदान करेगा। नई उड़ान सेवा से भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार, पर्यटन और पारिवारिक यात्रा को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एयर इंडिया का यह विस्तार अंतरराष्ट्रीय संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक और अहम कदम माना जा रहा है।

Bharat Express
Diu To Daman - Silvassa
Baroda -Bharuch -Ankleshwar -Surat.
Navsari -Chikhli -Valsad -KillaPardi
Vapi -Bhilad -Mumbai -Ahmedabad
Office
02875
225990
Mo.9426989796
Mo.9104980990

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that my client is interested in purchasing the below mentioned land from its absolute owner **KRISHNAPAL ANILKUMAR PARMAR,** Residing at: House No. 531, Morifaliya, Parmar Street, Naroli, Union Territory of Dadra and Nagar Haveli, free from all encumbrances, claims and demands.

So, If any persons or bank, or any financial institution having any claim/ claims, right, title, lien, interest etc. in respect of the below mentioned land, and also any persons in below mentioned land by way of sale, inheritance, agreement, contract, mortgage, possession, Gift, easement, lease, lien, charge, maintenance, bequeath, partnership, succession, Inheritance, Trust, Tenancy, Government dues etc. shall intimate in writing to undersigned within **10 (ten Days)** from the date of publication of this notice, failing which, my client shall obtained necessary sale Permission in his/their favour in respect of the said land from the competent authority of D & N.H, and then my client/Purchaser shall get the below mentioned land transferred by paying total consideration to the said owner and shall register Sale Deed in his/their favour treating that there are no such claim/claims if any, shall be deemed to have been waived and/or abandoned forever.

SCHEDULED

ALL that piece and parcel of the Land bearing **New Survey No. 599** admeasuring 27819Sq.Mtrs. (Old Survey No. 218/1) of **Village Apti,** Union Territory of Dadra and Nagar Haveli, for **Agricultural** purpose, or thereabouts.

Add. Plot No.5, Sundervan Society, Silvassa, Union Territory of D & N. H,
Mobile- 98241 32311, **E-mail** : cmp11cmp11@gmail.com

(CHETANKUMAR M. PRAJAPATI)
Advocate
Advocate for the Purchaser

झारखंड के स्वास्थ्य ने दवा दुकानों में जाकर खुद की कफ सिरप की जांच

रांची (ईएमएस)। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत होने और तीन-तीन कफ सिरप को बैन करने के मामले को लेकर के झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी सड़कों पर शुक्रवार को उतरे और दवा दुकानों में जाकर कफ सिरप की जांच की। इससे साथ ही इरफान अंसारी सदर अस्पताल में पैरासिटामोल की गोली में फंगस लगने के मामले के लिए भी जांच के लिए भी सदर अस्पताल पहुंचे और वहां इसकी जांच की। जांच के बाद इरफान अंसारी ने बताया कि दवा दुकानों में से कई कफ सिरप के सैंपल कलेक्शन करके जांच के लिए लेबोरेटरी में भेजे गए हैं। उन्होंने बताया कि तकरीबन 300 से ज्यादा सैंपल को अब तक झारखंड से लेबोरेटरी में जांच के लिए भेजा गया है, ताकि मध्य प्रदेश और राजस्थान में जिस तरह से बच्चों की मौतें हुई हैं, उसे रोका जा सके। वहीं, उन्होंने सदर अस्पताल में पैरासिटामोल फंगस लगी हुई दवा के मामले की भी जांच की। उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य विभाग को बदनाम करने के लिए एक साजिश है। मैंने खुद जाकर के पैरासिटामोल दवाई की जांच की है। कहीं किसी प्रकार का कोई फंगस नहीं लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि आज के अखबारों में पैरासिटामोल में फंगस पाए जाने की बात सामने आई है। मैं खुद इसे देखने आया था और दवा मेरे पास है। दवा लेने पर वह पारदर्शी होती है। दवा ठीक से दी गई थी। मैंने सीसीटीवी कैमरे से पुष्टि की कि दवा ठीक है। दवा लेने के बाद फंगस कैसे दिखाई दिया, यह स्पष्ट नहीं है।

PUBLIC NOTICE

My name is **Kumar Suman Biswal** residing at **House Ho. 206, Building – B, Sri Residency-2, Near St. Xavier School, Bhurkud Faliya, Silvassa, Dadra Nagar Haveli.** My Son **Satwik Biswal** residing with me on the mention address was issued Passport No. **N2132344** Republic of India. Unfortunately, the passport **N2132344** has been lost on 04/10/2025 at Silvassa. Despite my best efforts to locate it, I have been unable to find it.

I have to publish this public notice behalf of my son **Satwik Biswal** since he is a minor, about the loss of the said passport. I hereby declare that neither I nor my son will be held responsible for any misuse of the said passport.

If found, kindly return it to the address mentioned above or contact me at 97140 10041 or contact and submit the same to the nearest police station.

Signature
S/d: Kumar Suman Biswal
F/o. Satwik Biswal
11.10.2025

PUBLIC NOTICE

I, **PRANATI BISWAL** residing at **House Ho. 206, Building – B, Sri Residency-2, Near St. Xavier School, Bhurkud Faliya, Silvassa , Dadra Nagar Haveli**, I was issued Passport No. **N4251668** by Republic of India. Unfortunately, the passport has been lost on 04/10/2025 at Silvassa. Despite my best efforts to have lost my passport bearing number N4251668. I hereby declare that I am not responsible for any misuse of the said passport.

If found, kindly return it to the address mentioned above or contact me at 99135 14741or contact and submit the same to the nearest police station.

Signature
S/d: Pranati Biswal
11.10.2025

बालिकाओं को उड़ान दें, समाज को नई दिशा दें

दिलीप कुमार पाठक

आज भी हमारे देश एवं दुनिया में बेटियों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के लिहाज से स्थिति कुछ अच्छी नहीं है। भारत सहित पूरी दुनिया में लिंग भेद आज भी है, अन्यथा अमेरिका जो दुनिया को संस्कृति सिखाने का ठेकेदार बनता है, आज तक उनके देश में एक भी महिला राष्ट्रपति नहीं बन पाई। जब हम भारतीय परिपेक्ष्य में देखते हैं तो स्थिति और भी विकट है।

जब तक हमारे समाज में बेटियों के प्रति ज्यादतियां होती रहेंगी, तब तक हम कितना भी समृद्ध, उदारवादी विकसित समाज होने का ढोल पीट लें हमारी वास्तविकता कुछ और ही है। 2011 की जनगणनाः भारत में प्रति 1,000 पुरुषों पर 943 महिलाएँ थीं, लिंगभेद की स्थिति इसी से समझी जा सकती है। भारत में पुरुषों की साक्षरता दर 82.14% और महिलाओं की साक्षरता दर 65.46% है, जो शिक्षा में लिंग अंतर को दशार्ता है। उच्च शिक्षा में पुरुषों का अनुपात ज़्यादा है, और महिला शिक्षकों का प्रतिशत पुरुषों की तुलना में कम है। पुरुष शिक्षकों और उच्च शिक्षा में कुल नामांकित छात्रों की संख्या में महिलाओं की तुलना में अधिक है। कई सामाजिक कारक, जैसे कि कम उम्र में विवाह, बाल श्रम, और आर्थिक तंगी, लड़कियों की शिक्षा में बाधाएँ उत्पन्न करती हैं और उनके स्कूल छोड़ने की दर को बढ़ाती हैं। आज भी हमारे देश एवं दुनिया में बेटियों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के लिहाज से स्थिति कुछ अच्छी नहीं है। भारत सहित पूरी दुनिया में लिंग भेद आज भी है, अन्यथा अमेरिका जो दुनिया को संस्कृति सिखाने का ठेकेदार बनता है, आज तक उनके देश में एक भी महिला राष्ट्रपति नहीं बन पाई। जब हम भारतीय परिपेक्ष्य में देखते हैं तो स्थिति और भी विकट है। जब हमारे देश में हाथरस, मंदसौर, कोलकाता, उन्नाव, कठुआ, बुलन्दशहर, हैदराबाद आदि से रेप की दर्दनाक खबरें आती हैं और जहां से भी छोटी - छोटी बालिकाओं पर ज्यादतियों की खबरें आती हैं, तो पूरे समाज पर प्रश्न चिन्ह लग जाते हैं कि हमारे समाज में शिक्षा एवं संस्कारों मे ये कैसी गिरावट है जहां छोटी - छोटी बालिकाएं कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहीं हैं। लिंग भेद ऐसा कि अपनों के बीच भी बच्चियों को गैरों जैसा दोयम दर्जे का व्यवहार झेलना पड़ता है।

जब पाकिस्तान में मलाला यूसुफजई ने बेटियों के शिक्षा का मुद्दा उठाया, तो कट्टरपंथी लोगों ने उन पर जानलेवा हमला किया, ऐसे-ऐसे मुद्दे जब मेन स्ट्रीम में आते हैं, तब समाज की हकीकत सामने आ जाती है, दरअसल हमारे समाज में आज भी लड़कियों को लड़कों के बराबर न मानने वाले

लोगों की संख्या ज़्यादा है, हालांकि समाज के लिए सोचने वाले कुछ अग्रणी लोग एनजीओ के माध्यम से ही सही बालिकाओं के लिए कुछ न कुछ योगदान दे रहे हैं, परंतु ये काफी नहीं है। यही कारण है कि हर साल 11 अक्टूबर को इंटरनेशनल डे ऑफ गर्ल चाइल्ड यानी कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इसे मनाने की शुरूआत यूनाइटेड नेशन ने 2012 में की थी। इस दिन को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य था लड़कियों के विकास के लिए अवसरों को बढ़ाना और लड़कियों की दुनियाभर में कम होती संख्या के प्रति लोगों को जागरूक करना, जिससे कि लिंग असमानता को खत्म किया जा सके। लिंग असमानता भारत सहित पूरी दुनिया की सच्चाई है।

इस दिन को मनाने का उद्देश्य यह भी है कि समाज में जागरूकता लाकर लड़कियों को वे समान अधिकार दिलाए जा सकें, जो कि लड़कों को दिए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस को बढ़ावा देने के लिए इस दिन अलग-अलग देशों में कई तरह के आयोजन भी किए जाते हैं जिसके अंतर्गत लड़कियों की शिक्षा, पोषण, उनके कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल के प्रति उन्हें और समाजजनों को जागरूक किया जाता है। लड़कियों को सुरक्षा मुहैया कराना, उनके प्रति भेदभाव व हिंसा खत्म करना। बाल विवाह पर प्रतिबंध लगाना भी इस दिन को मनाने के कारणों में शामिल है। 11 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर, 2011 को प्रस्ताव 66/170 के माध्यम से घोषित किया गया था। इसे पहली बार 11 अक्टूबर, 2012 को मनाया गया था। यह वार्षिक दिवस 1995 के बीजिंग घोषणापत्र और कार्य योजना से जुड़ा है, जिसने पहली बार दुनिया भर में बालिकाओं के विशिष्ट अधिकारों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला था।

प्लान इंटरनेशनल ने इस पहल का नेतृत्व किया, जिसमें कनाडा सरकार सहित कई देशों का मजबूत समर्थन मिला। यह कार्यक्रम बालिकाओं के सशक्तीकरण, मानवाधिकारों और उन्हें प्रभावित करने वाले निर्णयों में उनकी भागीदारी के हित में, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, भेदभाव और हिंसा जैसी बाधाओं पर दुनिया का ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करता है। इस दिन दुनिया भर में बालिकाओं के लिए एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत भविष्य सुनिश्चित करने के प्रयासों को बढ़ावा दिया जाता है।

आज 11 अक्टूबर 2025 को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस की थीम हैः ह्रद गर्ल आई एम, द चेंज आई लीडः गर्ल्स ऑन द फ्रंटलाइन्स ऑफ क्राइसिसह्व इस थीम का मुख्य फोकस उन परिस्थितियों पर है जिनका सामना बालिकाओं को करना पड़ता है, और उनकी दृढ़ता, नेतृत्व तथा मजबूत आवाजों पर, जो मानवीय, सामाजिक और पर्यावरणीय संकटों के खिलाफ खड़ी होती हैं। चूँकि संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और असमानताएँ बालिकाओं के खिलाफ असमान रूप से भारी पड़ती हैं, इसलिए यह विषय परिवारों, समुदायों और समाजों में परिवर्तनकारी भूमिकाएँ निभाने में उनके साहस को दशार्ता है। यह बालिकाओं को परिस्थितियों के शिकार के रूप में नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में पहचानने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। लड़कियों के अनुभवों और नेतृत्व पर प्रकाश डालते हुए, यह थीम शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सशक्तिकरण में निवेश का आह्वान करती है ताकि वे सक्रिय रूप से एक बेहतर और अधिक समावेशी दुनिया का निर्माण कर सकें। यह नारा दुनिया को याद दिलाता है कि हर बालिका में क्षमताएँ भरपूर होती हैं और यह समाज का दायित्व है कि वह उनमें से प्रत्येक को संकट की स्थिति में अग्रणी भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करें'

(लेखक पत्रकार हैं)

संपादकीय

विकास की नींव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चीन की उत्पादक यात्रा पर हैं। उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भाग लिया और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन सहित विश्व नेताओं से द्वीपक्षीय वार्ता की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन में शांति स्थापित करने के सभी प्रयासों का स्वागत करता है और यूक्रेन संघर्ष को यथा शीघ्र समाप्त करना मानवता का आह्वान है। यह भी कहा कि हमें उम्मीद है कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढेंगे। पुतिन ने कहा कि रूस और भारत ने दशकों से विशेष मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए हैं, जो भविष्य के विकास की नींव हैं। उन्होंने इन संबंधों को दलगत राजनीति से ऊपर बताया और अधिकांश लोगों का समर्थन प्राप्त बताया। पुतिन ने रूस-यूक्रेन युद्ध को सुलझाने के लिए भारत और चीन के प्रयासों की सराहना की और यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों की भी आलोचना की। रूस हमेशा से भारत का मुखर समर्थक रहा है। उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थाई सदस्यता मिलने का समर्थन किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड ट्रंप के रूसी तेल और हथियार खरीदने पर भारत को दंड़ित करने के लिए 50प्र. टैरिफ लगाया है, जो दुनिया भर में सबसे ज्यादा बताया जा रहा है। भारत और रूस, दोनों के बीच लगभग पंद्रह साल पहले शुरू हुई रणनीतिक साझेदारी के आधार पर द्विपक्षीय संबंध विकसित हो रहे हैं। इस मुलाकात को ट्रंप को सीधा चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिका का आरोप है कि भारत पुतिन की युद्ध मशीनरी को वित्त-पोषित कर रहा है और रूसी ऊर्जा की बिक्री से भारी मुनाफा भी कमा रहा है जबकि भारत साफ कर चुका है कि रूसी तेल और रक्षा उपकरणों की खरीद ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रख कर की गई है। चीन के बाद भारत रूसी तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है। देश के ऊर्जा आयात मास्को की हिस्सेदारी 40प्र. है। बेशक, भारत अपने दीर्घकालिक रणनीतिक संबंधों का बचाव करते हुए कहता रहा है कि हम अपने संबंधों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देख सकते। इस बैठक को अमेरिका कैसे देखता है, से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है कि व्यापार असंतुलन को सुधारने के प्रति सकारात्मक रणनीति बनाई जाए और व्यापार में विविधता लाने के प्रयास किए जाएं। भारत, चीन और रूस की इन उत्पादक बैठकों को देख कर अमेरिका की त्योरियां चढ़ने की अब कोई फिक्र करता नहीं नजर आ रहा।

चिंतन-मनन

सुखी रहने के लिए लें धर्म की शरण!

दुनिया का हर व्यक्ति केवल सुख ही चाहता है। दुख से सब दूर भागते हैं। यदि हमें सुखी रहना है तो सबसे पहले धर्म से जुड़ना होगा। किसी के मन को दुखाना भी पाप है। भागदौड़ भरी जिंदगी में आज हर व्यक्ति विवेक नहीं रख पाता है। इसलिए पाप बंध को बांधता चला जाता है और पाप बंधने के कारण सुखी नहीं हो पाता। इसलिए सुखी रहने के लिए धर्म की शरण में जाकर धर्म के मर्म को समझना होगा। धर्म की शुरूआत व्यक्ति को सबसे पहले अपने घर से ही करना चाहिए। यदि हम विवेकपूर्ण जीवन जिएंगे तो पाप से बच पाएंगे और जो पाप से बच पाएगा, वहीं सही मायनों में धर्म से भी जुड़ पाएगा। मयार्दाओं को भंग करना पाप की श्रेणी में आता है। इसी तरह किसी के मन को दुखाना भी पाप है। हमें अपने जीवन काल में सुख प्राप्ति के लिए जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा, क्योंकि जिनवाणी अमृत रूप है। हमारा सौभाग्य है कि हमें जिनवाणी श्रवण का सुअवसर मिला है। जीवन में यदि सुख प्राप्त करना है तो जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा।

धर्म आधारित जीवन जीते हुए ही मनुष्य वैराग्य की ओर अग्रसर हो सकता है। संपूर्ण जीवन लोभ, मोह, मद, मान और माया में ही व्यतीत हो जाता है और प्रभु आराधना का समय ही नहीं मिल पाता तथा व्यक्ति संसार से प्रस्थान भी कर जाता है। संसार में रहते हुए वैराग्य के प्रसंग जीवन में आते हैं। फिर भी विरक्ति नहीं होती। इसलिए निरंतर साधना व स्वाध्याय करते रहना चाहिए। सुखी और सफल जीवन के लिए भौतिक सुख नहीं, आध्यात्मिक सुख ज्यादा जरूरी है, जो वैराग्य से ही प्राप्त हो सकता है।

संसार के सभी जीव सुख चाहते हैं। सभी लोग सुख प्राप्त करने के लिए ही पुरुषार्थ करते हैं, लेकिन सच्चा सुख कहां है, इसका हमें ध्यान नहीं है। जो जीवात्मा अरिहंत परमात्मा की वाणी को आत्मसात करती है, उसकी सभी प्रकार की आधि-व्याधि नष्ट हो जाती है। जिसने आत्मस्वरूप की पहचान कर ली है, वही धर्मध्यान में लीन होगा। हमारे आर्तध्यान और रौद्रध्यान से जीवन भटक जाता है। धर्मध्यान को अपनाकर व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति में भी समभाव को धारण कर सकता है। आज धर्मध्यान की जगह धन का ध्यान ज्यादा किया जा रहा है। पैसा साधन जरूर है, पर वह साध्य नहीं है। विडंबना यह है कि आज व्यक्ति धन को ही साध्य मानने की भूल कर रहा है।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी रोकने में सक्रिय सामुदायिक सहायता की जरूरत हैं

किशन सनमुखदास भावनानी

अंतरराष्ट्रीय स्तरपर मादक पदार्थों के सेवन और नशीली दवाओं के दुरुपयोग तथा उसकी अवैध तस्करी के मामलों से करीब-करीब हर देश पीड़ितहै और यह समस्या दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही है। खासकर मानवीय युवा पीढ़ी जिन्हें भविष्य की बागडोर संभालनीं है, यानें हमारी अगली पीढ़ी बनने वाले युवा और बच्चों की रुचि मादक पदार्थों में बढ़ती ही जा रही है।हम अपने आसपास भी देखते होंगे कि बच्चे भी सिगरेट, बीड़ी, बीयर पीने की ओर आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं जो वैश्विक समस्या बनती जा रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यहां गुटखा पाबंदी होने के बावजूद स्कूलों के आसपास भी भारी मात्रा में तंबाकू युक्त गुटके मिलते रहते हैं जो बिना मिलीभगत के संभव नहीं है, नशा, एक ऐसी बीमारी है जो कि युवा पीढ़ी को लगातार अपनी चपेट में लेकर उसे कई तरह से बीमार कर रही है।शराब, सिगरेट,तम्बौकू एवं ड्रग्सन जैसे जहरीले पदार्थों का सेवन कर युवा वर्ग का एक बड़ा हि?स्सा नशे का शिकार हो रहा है। आज फुटपाथ और रेल्वे.प्ले टफार्म पर रहने वाले बच्चेंा भी नशे की चपेट में आ चुके हैं। लोग सोचते हैं कि वो बच्चेंक कैसे नशा कर सकते है जिनके पास खाने को भी पैसा नहीं होता। परंतु नशा करने के लिए सिर्फ मादक पदार्थो की ही जरुरत नहीं होती, बल्कि व्हाइटनर,नेल पॉलिश, पेट्रोल आदि की गंध, ब्रेड के साथ विक्स और झंडु बाम का सेवन करना, कुछ इस प्रकार के नशे भी किए जाते हैं, जो बेहद खतरनाक होते हैं।नशे की लत ने इंसान को उस स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया है कि अब व्यक्तिह मादक पदार्थों के सेवन के लिए किसी भी हद तक जा सकता है, वह नशे के लिए जुर्म भी कर सकता है। नशे के मामले में महिलाएं भी पीछे नहीं है। महिलाओं द्वारा भी मादक पदार्थों का बहुत अधिक मात्रा में सेवन किया जाता है। व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में तनाव, प्रेम संबंध, दांपत्य जीवन व तलाक आदि कारण, महिलाओं में नशे की बढ़ती लत के लिए जिम्मेदार है।इसीलिए ही नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ हम इस आर्टिकल के माध्यम से,आओ नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी को रोकने सक्रिय भूमिका बढ़ाएं पर परिचर्चा करेंगें।

साथियों बात अगर हम नशीली दवाओं के दुरुपयोग की करें तो, ड्रग्स एंड क्राइम पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) ने उल्लेख किया है, एक साथ, हम विश्व नशीली दवाओं की समस्या से निपट सकते हैं। मजबूत दृढ़ संकल्प और नशीली दवाओं से संबंधित ज्ञान साझा करके, हम सभी नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त एकअंतरराष्ट्रीय समाज के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।जब ड्रग्स का दुरुपयोग व्यापक रूप से समाज के अमीर और गरीब वर्ग के बीच फैल जाता है तो उस समय सबसे अधिक अनिवार्य है नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सामुदायिक सहायता की जरूरत की। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ युद्ध में प्रसिद्ध कहावत रोकथाम इलाज से बेहतर है, काफी प्रासंगिक है। ड्रग्स के दुरुपयोग और इससे जुड़ी अवैध तस्करी के खिलाफ जनजागृति बढ़ाना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम मादक पदार्थों की करेंतो गुटखा तंबाकू तंबाकू के उपयोग से होने वाली हानियां, मदिरा अफीम, कोकीन, भांग, चरस, गांजा , हशीश, एलएसडी आदि अन्य पदार्थ भी मादक पदार्थों के रूप में प्रचलन में है। युवा इनको प्रयोग विभिन्न कारण से कर बैठते हैं और चंगुल में फंस जाते हैं। इनके प्रयोग से दुष्प्रभाव परिवार से विच्छेदन, अपराध प्रवृति की वृद्धि शारीरिक एवं मानसिक कमजोरी के रूप में सामने आते हैं। कुछ समय के लिए मस्ती देनेवाले नशीले द्रव्यों के निरंतर सेवन से मनुष्य के तन-मन निष्क्रिय और शिथिल हो जाते हैं, दृष्टि कमजोर हो जाती है, पाचनशक्ति मंद पड़ जाती है तथा हृदय और फेफड़ों पर बुरा असर पड़ता है। इससे स्वास्थ्य चौपट हो जाता है और मनुष्य असमय ही मृत्यु का द्वार खटखटाने लगता है। नशीली दवाओं की लत एक कट्टर दानव है जो हमारे समाज के विकास पर रोक लगा सकती है। कैंसर जैसी अनेक भयंकर बीमारियां हमेशा सक्रियता से होने का डर बना रहता है।

साथियों बात अगर हम भारत में नशा मुक्ति के लिए सरकार ने कौन-कौन से कदम उठाए हैं, की करें तो भारत में नशा मुक्ति के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, ताकि नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी को रोका जा सके।यहां कुछ प्रमुख सरकारी प्रयासों का विवरण दिया गया हैः(1)नशा मुक्त भारत अभियान-यह अभियान अगस्त 2020 में शुरू किया गया था,इसका उद्देश्य देशभर में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाना, लोगों को सहायता देना और पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराना है।अब तक 10 करोड़ से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जा चुका है, 3 लाख से अधिक शैक्षणिक संस्थान और 8,000 से अधिक मास्टर वॉलंटियर्स इस अभियान में जुड़े हैं। (2) कानूनी और प्रशासनिक सख्ती-नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस एक्ट के तहत सख्त कानून बनाए गएहैं2014 के बाद से ड्रग्स के मामलों में 152 पेर्सेंट की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, गिरफ्तारियों में 400 पेर्सेंट की वृद्धि हुई है और जब्त की गई ड्रग्स का मूल्य 30 गुना बढ़ा है। 2014 से अब तक 12 लाख किलोग्राम से अधिक ड्रग्स नष्ट की गई हैं। (3) इंटर-एजेंसी समन्वय और तकनीकी उपाय - नारको कोऑर्डिनेशन सेंटर और जॉइंट कोऑर्डिनेशन कमेटी के जरिए विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाया गया है।सिम्स पोर्टल विकसित किया गया है, जिससे ड्रग्स से जुड़े मामलों की मॉनिटरिंग और डेटा ट्रैकिंग आसान हुई है।समुद्री मार्गों की निगरानी के लिए विशेष टास्क फोर्स बनाई गई है। (4) जागरूकता और शिक्षा-स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। युवाओं और अभिभावकों के लिए कार्यशालाएं, सेमिनार और

काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाते हैं, ताकि वे नशे के दुष्परिणाम समझ सकें और समय रहते मदद ले सकें। (5) पुनर्वास और सहायता केंद्र- देशभर में सरकारी और गैर-सरकारी पुनर्वास केंद्रों की स्थापना की गई है, जहां नशा पीड़ितों को इलाज, काउंसलिंग और पुनर्वास की सुविधा मिलती है। (6) सीमा सुरक्षा और तस्करी पर नियंत्रण-भारत की सीमाओं पर सुरक्षा एजेंसियों को मजबूत किया गया है, ताकि ड्रग्स की तस्करी को रोका जा सके।ड्रग्स की तस्करी के मामलों में वित्तीय जांच और संपत्ति जब्त करने जैसी सख्त कार्रवाई की जा रही है। (7) समुदाय और परिवार की भागीदारी-सरकार समुदाय और परिवारों को भी नशा मुक्ति अभियान में शामिल कर रही है, ताकि समाज का हर वर्ग इसमें भरपूर स्वेच्छा से सहयोग दे सके।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि,नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी रोकनें में सक्रिय सामुदायिक सहायता की जरूरत हैं, नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने समुदायिक सहायता की जरूरत है।मादक पदार्थों के प्रयोग से दुष्प्रभाव-परिवारों से विच्छेदन, आपराधिक प्रवृत्ति में वृद्धि, शारीरिक व मानसिक कमजोरी के रूप में सामने आती है।

बदलाव एवं विकास की राह ताकता बिहार चुनाव

पंकज चतुर्वेदी

इस बार की बरसात उत्तराखंड में भूस्खलन से तबाही की नई इबारत लिख गई और चेतावनी भी दर्ज कर गई कि राज्य में पहाड़ गिरने का खतरा अब पूरे साल, हर मौसम में बना हुआ है । इस साल के तीन महीने में 1000 से अधिक भूस्खलन दर्ज किए गए हैं, जिनमें 260 से अधिक लोगों की जान गई है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की हालिया लैंडस्लाइड एटलस ऑफ इंडिया रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड में रूद्रप्रयाग जनपद भूस्खलन के लिहाज से देश का सबसे संवेदनशील जिला बन गया है। इसरो की लैंडस्लाइड एटलस ऑफ इंडिया में 17 राज्यों के 147 जिलों का विश्लेषण किया गया है। उत्तराखंड के सभी 13 जिले इस सूची में शामिल हैं, जिसमें रूद्रप्रयाग पहले और टिहरी दूसरे स्थान पर है। उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक उत्तराखंड में इस वर्ष मानसून में भूस्खलन और भूधंसाव के 25 से अधिक नए स्पॉट सामने आए हैं। पिछले दिनों डॉ मुरलीमनोहर जोशी, डॉ कर्ण सिंह, शेखर पाठक, के गोविंदाचार, रामचन्द्र गुहा सहित 57 लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिख कर अपने सितंबर-2022 के उस निर्णय को बदलने का अनुरोध किया है जिसमें चार धाम के लिए चौड़ी सड़क बनाने पर अदालत ने मंजूरी दी थी । इस बीच भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जी एस आई) की ताजा रिपोर्ट ने उत्तराखंड के पहाड़ों अपर रहने वालों की चिंताएं और बढ़ा दी है जिसमें बताया गया है कि राज्य का 22 फीसदी हिस्सा भूस्खलन को ले कर गंभीर, जबकि 32 प्रतिशत माध्यम और प्रतिशत निम्न खतरे में आ रहा हैं। इस मानसून में राज्य को भूस्खलन के चलते तीन हजार करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। जी एस आई ने साफ खा हैं कि आल वेदर रोड, हायड्रो पावर प्रोजेक्ट और बेतहाशा निर्माण के चलते पहाड़ों पर खतरा और बढ़ गया हैं।

इन राष्ट्रीय राजमार्गों पर 203 भूस्खलन जोन चिह्नित किए गए हैं। देहरादून- पिथौरागढ़ मार्ग पर एक-दो नहीं बल्कि 60 भूस्खलन जोन को चिह्नित किया गया। ऑलवेदर रोड पर गौचर के पास कमेड़ा भूस्खलन जोन का स्थायी समाधान बीते तीन साल में नहीं निकल पाया है। यहां पहाड़ी के बड़े हिस्से में हो रहे भूस्खलन से बदरीनाथ हाईवे को भारी नुकसान पहुंच रहा है। कमेड़ा में हालात नहीं सुधर पाए कि अब बदरीनाथ हाईवे पर कर्णप्रयाग के पास उमट्टा ने मुसीबत बढ़ा दी है। यहां बीते वर्ष पहाड़ी के हिस्से से मलबा आया था। गंगोत्री और यमुनोत्री का प्रवेश द्वार कहा जाने वाला उत्तरकाशी भागीरथी नदी के किनारे वल्णावत पर्वत की तलहटी में बसा है। यहाँ भूस्खलन का मतलब पूरे रिहायशी इलाके का खतरे की जद में आना है। वल्णावत पर्वत का पूरा क्षेत्र कई मायनों में बेहद संवेदनशील है। भूकंप के लिहाज से यह बेहद खतरनाक है । साल 1991 में यहां रिक्टर स्केल पर 6। 1 तीव्रता का भूकंप आ चुका है। एक बात और, यहाँ घने चीड़ के जंगल हैं और अब इनमें गर्मी के दिनों में आग लगने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं । वनों की कटाई, निर्माण के लिए पहाड़ों को तोड़ने के अलावा मिट्टी की पकड़ ढीली होने का यह भी बड़ा कारण है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के डाटा के अनुसार 1988 से 2023 के बीच उत्तराखंड में भूस्खलन की 12,319 घटनाएं हुईं। सन 2018 में प्रदेश में भूस्खलन की 216 घटनाएं हुई थीं जबकि 2023 में यह संख्या पांच गुना बढ़कर 1100 पहुंच गई। 2022 की तुलना में भी 2023 में करीब साढ़े चार गुना की वृद्धि भूस्खलन की घटनाओं में देखी गई है। पिछले साल भूस्खलन की 2946 घटनाएं दर्ज की गई जिनमें 67 लोगों की मौत हुई थी ।

उत्तराखंड सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग और विश्व बैंक ने सन 2018 में एक अध्ययन करवाया था जिसके अनुसार छोटे से उत्तराखंड में 6300 से अधिक स्थान भूस्खलन जोन के रूप में चिन्हित किये गये। रिपोर्ट कहती है कि राज्य में चल रही हजारों करोड़ की विकास परियोजनाएं पहाड़ों को काट कर या जंगल उजाड़ कर ही बन रही हैं और इसी से भूस्खलन जोन की संख्या में इजाफा हो रहा है। दुनिया के सबसे युवा और जिंदा पहाड़ कहलाने वाले हिमालय के पर्यावरणीय छेड़छाड़ से उपजी सन 2013 की केदारनाथ त्रासदी को भुला कर उसकी हरियाली उजाड़ने की कई परियोजनाएं उत्तराखंड राज्य के भविष्य के लिए खतरा बनी हुई हैं । उत्तराखंड में बन रही पक्की सड़कों के लिए 356 किलोमीटर के वन क्षेत्र में कथित रूप से 25 हजार पेड़ काट डाले गए। मामला एनजीटी में भी गया लेकिन तब तक पेड़ काटे जा चुके थे। यही नहीं सड़कों का संजाल पर्यावरणीय लिहाज से संवेदनशील उत्तरकाशी की भागीरथी घाटी के से भी गुजर रहा है। उत्तराखंड के चार प्रमुख धामों को जोड़ने वाली सड़क परियोजना में 15 बड़े पुल, 101 छोटे पुल, 3596 पुलिया, 12 बाइपास सड़कें

बनाने पर काम चल ही रहा है । ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक रेलमार्ग परियोजना भी स्वीकृति हो चुकी है, जिसमें ना सिर्फ बड़े पैमाने पर जंगल कटेंगे, वन्य जीवन प्रभावित होगा और पहाड़ों को काटकर सुरंगे और पुल निकाले जाएंगें।

हिमालयी भूकंपीय क्षेत्र में भारतीय प्लेट का यूरेशियन प्लेट के साथ टकराव होता है और इसी से प्लेट बाउंड्री पर तनाव ऊर्जा संग्रहित हो जाती है जिससे क्रिस्टल छोटा हो जाता है और चट्टानों का विल्पण होता है। ये ऊर्जा भूकंपों के रूप में कमजोर जोनों एवं फाल्टों के जरिए सामने आती है। जब पहाड़ पर तोड़फोड़ या धमाके होते हैं, जब उसके प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाड होती है तो दिल्ली तक भूकंप के खतरे तो बढ़ते ही हैं यमुना में कम पानी का संकट भी खड़ा होता है। देवभूमि, विकास में पर्यावरण संरक्षण, नैसर्गिक विकास और आस्था में सुख को त्याज्य करने की भावना विकसित करने के लिए आर्मंत्रित भी कर रही है और चेता भी रही हैं। खासकर जब इस साल दिसम्बर तक बरसात के लंबे खींचने की संभावना है, सरकार को अतिरिक्त सतर्क रहना होगा ।

संक्षिप्त समाचार

चीनी राष्ट्रपति के सियासी दल में शामिल महिला से हुआ अमेरिकी राजनयिक को प्रेम, ट्रंप प्रशासन ने छीनी नौकरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका से एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। मामला कुछ इस प्रकार से है कि अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने एक अमेरिकी राजनयिक को केवल इस वजह से नौकरी से निकाल दिया गया क्योंकि उसने एक चीनी महिला से प्रेम संबंध की बात छुपाई थी। बताया जा रहा है कि उस महिला के सीधे संबंध चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी से हैं। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राजनयिक को इस कारण से निकाला गया है। बता दें कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में एक नियम लागू किया था, जिसके तहत चीन में तैनात किसी भी अमेरिकी सरकारी कर्मचारी, उनके परिवार या सुरक्षा क्लियरेंस वाले कॉन्ट्रैक्टर्स को किसी भी चीनी नागरिक से प्रेम या यौन संबंध बनाने पर रोक लगा दी गई थी। मामले में विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि राजनयिक को इसलिए निकाला गया क्योंकि उसने चीनी महिला से अपने रिश्ते को छिपाया था। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इस मामले की समीक्षा की और फिर इस मामले में कार्रवाई की गई है। पिगॉट ने आगे कहा कि विदेश मंत्री रुबियो के नेतृत्व में हम राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने वाले किसी भी कर्मचारी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाएंगे। हालांकि राजनयिक का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन वह और उसकी गर्लफ्रेंड एक गुप्त रूप से बनाए गए वीडियो में नजर आए थे जिसे मशहूर रूढ़िवादी पत्रकार जेम्स ओ 'कीफ ने ऑनलाइन पोस्ट किया था।

रेबेका ग्रिनस्पैन संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के लिए नामित

सैन होजे, एजेंसी। कोस्टा रिका ने अपने लंबे समय से सक्रिय कूटनीतिज्ञ और पूर्व उपराष्ट्रपति रेबेका ग्रिनस्पैन को संयुक्त राष्ट्र का अगला महासचिव बनने के लिए उम्मीदवार के रूप में नामांकित किया है। ग्रिनस्पैन वर्तमान में जेनेवा स्थित यूएन ट्रेड एंड डेवलपमेंट के महासचिव हैं और उन्हें यूक्रेन-रूस युद्ध के दौरान अनाज को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने के संयुक्त राष्ट्र प्रयास में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। कोस्टा रिका के राष्ट्रपति रॉड्रिगो चावेस ने वीडियो संदेश में कहा कि ग्रिनस्पैन का अनुभव और विकास, अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा क्षेत्रीय नेतृत्व में योगदान बहुपक्षवाद को मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। उनका नामांकन आने वाले हफ्तों में संयुक्त राष्ट्र में औपचारिक रूप से दर्ज किया जाएगा।

कांगो में इबोला के नए मामले नहीं मिले : डब्ल्यूएचओ

किंशासा, एजेंसी। दक्षिणी कांगो में फैले इबोला वायरस पर अब नियंत्रण के संकेत दिखाई दे रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि 1 अक्तूबर के बाद से कोई नया मामला सामने नहीं आया है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, 5 अक्तूबर तक पिछले 10 दिनों में संक्रमण के कोई नए मामले दर्ज नहीं हुए, जिससे संकेत मिलता है कि प्रभावित इलाकों में संक्रमण की श्रृंखला अब टूट रही है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, अब तक कुल 64 मामले (53 की पुष्टि और 11 संदिग्ध) दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 43 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य एजेंसी ने बताया कि बेहतर लॉजिस्टिक्स, हेलिकॉप्टर से मेडिकल सप्लाई, ग्राउंड डिलीवरी और तीन स्वास्थ्य केंद्रों के डी-कंटेमिनेशन जैसी कार्रवाइयों से संक्रमण पर काबू पाया जा सका है। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने सतर्कता बरतने की सलाह दी है क्योंकि लगभग 2,000 संपर्कों पर नजर रखी जा रही है और एक भी छूटा हुआ मामला संक्रमण को फिर से फैला सकता है।

ह्यूस्टन में दो जगहों पर गोलीबारी, चार की मौत

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य के ह्यूस्टन में बुधवार को हुई दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें हमलावर भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच से पता चलता है कि दोनों घटनाएं आपस में जुड़ी हुई हैं। उन्होंने बताया कि पहली वारदात दोपहर लगभग 1 बजे शुगर लैंड उपनगर में हुई, जहां एक व्यक्ति ने अपनी कार से दूसरी गाड़ी पर गोली चलाई। घायल चालक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह रोड रेज (सड़क विवाद) का मामला था या नहीं। करीब आधे घंटे बाद ह्यूस्टन शहर के एक मैकेनिक वर्कशॉप में दूसरी गोलीबारी की सूचना मिली। पुलिस अधिकारी लेरी क्रॉसन के अनुसार, हमलावर ने एक मैकेनिक और एक गवाह को गोली मारी। गवाह उस समय घटना का वीडियो बना रहा था। जांच में दोनों घटनाओं में शामिल वाहन और हमलावर के विवरण समान थे। कुछ समय बाद पुलिस ने हमलावर को उसकी गाड़ी में मृत पाया।

ट्रंप की कोशिशों को लग सकता है झटका, नोबेल मिलने के आसार कम; खुद को भी नहीं है भरोसा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नोबेल पुरस्कार जीतने की कोशिश में जुटे हुए हैं। हालांकि, जानकारों का कहना है कि इस साल ट्रंप की इच्छा पूरे होने के आसार कम हैं। खुद ट्रंप भी कह रहे हैं कि नोबेल कमेटी उनके बजाए किसी और को पुरस्कार देने की वजह खोज लेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति दावा कर रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान समेत 7 युद्ध रुकवाए हैं। एएफपी से बातचीत में स्वीडन के प्रोफेसर पीटर वालेनस्टीन ने कहा, नहीं, ट्रंप इस साल नहीं जीतेंगे। उन्होंने कहा, लेकिन शायद अगले साल? तब तक गाजा संकट समेत उनकी कई पहलों पर स्थिति साफ हो चुकी होगी।

कौन जीत सकता है पुरस्कार : खबर है कि इस साल 338 लोग और संगठन नॉमिनेशन प्रक्रिया में हैं, लेकिन यह सूची गुप्त रखी जाती है। नॉमिनेट करने वालों में सांसद, सरकारी अधिकारी, पूर्व विजेता और कमेटी के सदस्य शामिल होते हैं। साल 2024 में यह पुरस्कार जापान के एटम बम पीड़ितों से जुड़े निहोन हिदान्यको को मिला था। साफ नहीं है कि 2025 की रेस में कौन-कौन है। माना जा रहा है कि सुडान के इमरजेंसी रिस्पॉन्स रूम, रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवेलनी की विधवा यूलिया नवलनाया और चुनावी गतिविधियों पर नजर रखने वाले ऑफिस फॉर डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशन्स एंड ह्यूमन राइट्स का नाम दौड़ में शामिल हो सकता है। इनके अलावा संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, यूएनआरडब्ल्यूए के नाम पर मुहर लग सकती है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि इस बार नोबेल कमेटी अपने चुनाव से सभी को चौंका सकती है। भारतीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजकर 30 मिनट पर पुरस्कार की घोषणा की जा सकती है।

तो इस बार कौन हो सकता है विजेता : जब ये बात लगभग-लगभग तय मानी जा रही है कि ट्रंप को इस बार नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलने जा रहा है। तो ये सवाल भी लगातार सामने आ रहा है कि अगर ट्रंप नहीं तो कौन? ध्यान रहे कि नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को दोपहर 2:30 बजे (भारतीय समयानुसार) ओस्लो में की जाएगी। ऐसे में इस पुरस्कार के लिए इस बार 338 व्यक्ति और संस्थाओं को नामांकित किया गया है। हालांकि, नामों की आधिकारिक सूची 50 वर्षों तक गोपनीय रखी जाती है। 2024 में यह पुरस्कार जापान के निहोन हिदानक्यो को मिला था, जो परमाणु हमलों के जीवित बचे लोगों का संगठन है। दूसरी ओर इस बार विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार विजेता के नाम का चयन थोड़ा मुश्किल भी हो सकता है। कारण है कि इस साल की स्थिति बेहद गंभीर है, क्योंकि दुनिया भर में संघर्ष चरम पर हैं। इस्राइल और ईरान की सीधी भिड़ंत, गाजा में संघर्ष, भारत-पाकिस्तान के बीच ड्रोन और मिसाइल हमले, थाईलैंड-कंबोडिया सीमा विवाद जैसी घटनाओं ने माहौल तनावपूर्ण बना दिया है। 2024 में रिकॉर्ड संख्या में राज्य-स्तरीय युद्ध भी हुए थे, जैसा कि स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी के डेटा से पता चलता है।

इस साल 338 नामांकनों में कौन हैं प्रमुख दावेदार : 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए कई प्रभावशाली नाम चर्चा में हैं। सूडान की इमरजेंसी रिस्पॉन्स रूम्स, जो युद्ध प्रभावित इलाकों में लोगों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं, एक मजबूत दावेदार मानी जा रही है। वहीं रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की विधवा यूलिया नवलनाया भी इस सूची में शामिल हैं, जो अपने पति की विरासत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर आगे बढ़ा रही हैं। इसके अलावा, ऑफिस फॉर डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशंस एंड ह्यूमन राइट्स , जो चुनाव निगरानी और लोकतंत्र की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है, भी एक प्रमुख उम्मीदवार है। संयुक्त राष्ट्र की संस्थाएं भी हो सकती हैं पुरस्कार की हकदार वहां कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि नोबेल समिति इस बार वैश्विक व्यवस्था के समर्थन में कोई संदेश देना चाहेगी, खासकर उन नेताओं के खिलाफ जो इसे चुनौती दे रहे हैं, जैसे डोनाल्ड ट्रंप। ऐसे में संभावित विजेताओं की सूची में यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, यूएनएचसीआर (शरणार्थी मामलों की एजेंसी), यूएनआरडब्ल्यूए (फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी) का भी नाम शामिल है।

हालांकि ठीक इसके इतर कुछ का मानना है कि वैश्विक न्याय या प्रेस स्वतंत्रता को लेकर काम करने वाली संस्थाओं को भी इस बार सम्मान मिल सकता है, जिसमें इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट, इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस, कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स और रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स का नाम शामिल है।

अंतरिम सरकार और सहयोगियों के बीच सियासी खींचतान; एनसीपी ने सलाहकार की निष्ठा पर खड़े किये सवाल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की मुहम्मद युनुस-नेतृत्व वाली अस्थायी सरकार और उसके प्रमुख सहयोगी, छात्र-नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के बीच सियासी खींचतान बढ़ती जा रही है। एनसीपी ने आरोप लगाया कि सरकार के सलाहकार बदलती राजनीतिक परिस्थितियों के बीच सुरक्षित निकास की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मामलों की सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा मैं किसी भी तरह का निकास नहीं ढूंढ रही। मैं अपना शेष जीवन बांग्लादेश में बिताऊंगी। उन्होंने एनसीपी नेताओं से स्पष्ट जवाब की मांग की कि उन्होंने ऐसा आरोप क्यों लगाया। एनसीपी ने ही हसीना को सत्ता से हटाया था एनसीपी ने फरवरी में युनुस के आशीर्वाद से राजनीतिक रूप में अपनी पहचान बनाई। यह पार्टी छात्रों के विरोध आंदोलन ग्रुप की एक बड़ी शाखा है, जिसने पिछले साल की 'जुलाई क्रांति' में हिंसक सड़कों पर प्रदर्शन किया और 5 अगस्त को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार को सत्ता से हटाया। सुरक्षित निकास पर हंगामा बढ़ा युनुस ने अस्थायी सरकार में छात्रों के तीन प्रतिनिधियों को सलाहकार परिषद में शामिल किया। हालांकि, बाद में युनुस ने एनसीपी का नेतृत्व संभालने के लिए इस्तीफा दे दिया, जबकि दो अन्य सदस्य सलाहकार बने रहे। एनसीपी के अनुसार, कई सलाहकार राजनीतिक दलों के साथ बातचीत कर अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं। एनसीपी के समन्वयक सरजिस आलम ने कहा कुछ सलाहकार अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए सोच रहे हैं। सुरक्षित निकास का विकल्प केवल मृत्यु में है।

लोग उनका पीछा करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री और अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी इस बीच, बांग्लादेश की विशेष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री हसीना और 29 अन्य के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। हालांकि, अस्थायी सरकार ने कहा कि वह सभी राजनीतिक दलों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखती है और एनसीपी नेताओं के आरोपों की व्याख्या उनकी जिम्मेदारी है। बांग्लादेश में आगामी फरवरी में राष्ट्रीय चुनावों से पहले यह सियासी उठापटक देश में राजनीतिक अस्थिरता और तनाव की नई लकीर खींच रही है।

बेबी पाउडर से मौत, जॉनसन एंड जॉनसन को देना होगा 8,500 करोड़ का मुआवजा

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका में लॉस एंजिलिस की अदालत ने जॉनसन एंड जॉनसन को मेसोथेलियोमा कैंसर से मरने वाली एक महिला के परिवार को 8,500 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। अदालत ने कंपनी को महिला की मौत के लिए उत्तरदायी ठहराते हुए यह जुर्माना लगाया। परिजनों ने दावा किया था कि महिला ने जिंदगी भर कंपनी के बेबी पाउडर इस्तेमाल किया। इसके चलते उन्हें कैंसर हुआ। जूरी ने फैसले में माना, जॉनसन एंड जॉनसन ही महिला मेमूर को हुए कैंसर के लिए जिम्मेदार है। यह एस्बेस्टस से जुड़ा है। जूरी ने मुआवजे के रूप में करीब 140 करोड़ रुपये और सजा के तौर पर 8,360 करोड़ रुपये परिवार को देने का आदेश दिया। मूर का 2021 में 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। परिवार का आरोप था, कंपनी ने पाउडर में कैंसर के जोखिमों को स्पष्ट न कर धोखा दिया। परिवार की वकील जेसिका डीन ने कहा, हमें अदालत में पक्ष साबित करने में पांच साल लगे। मूर ने इस बेबी पाउडर के साथ शावर-टू-शॉवर का पाउडर भी करीब 80 साल तक उपयोग किया था। कंपनी ने 2012 में शावर-टू-शॉवर को वैलेंट फार्मा को 15 करोड़ डॉलर में बेच दिया था। जॉनसन एंड जॉनसन के वैश्विक कानूनी मामले संभालने वाले एरिक हास ने कहा कि हम इस गंभीर फैसले के खिलाफ तुरंत अपील करेंगे। यह फैसला ज्यादातर बेबी पाउडर मामलों से बिल्कुल विरोधाभासी है, जिनमें कंपनी ने जीत हासिल की है।

कंपनी पर हजारों मुकदमे 3 अरब डॉलर किए खर्च : कंपनी ने बेबी पाउडर में मौजूद एस्बेस्टस से मुकदमों से निपटने में 3 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च किए हैं। फिर भी कंपनी पर 70,000 से ज्यादा ऐसे मुकदमे लंबित हैं, जिनमें आरोप है कि इसके कारण मेसोथेलियोमा व डिम्बग्रंथि के कैंसर हुए हैं।कंपनी ने इस पाउडर को 2023 में दुनियाभर के बाजारों से वापस ले लिया था। उसने इनसे निपटने के लिए दिवालियापन अदालतों का दरवाजा खटखटाया है, लेकिन उसकी कोशिश तीन बार असफल हो गई है।

ड्रग माफियाओं पर बेरोकटोक कार्रवाई करते रहेंगे ट्रंप! राष्ट्रपति की शक्तियों पर निगरानी का प्रस्ताव खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में बुधवार को एक बड़ा राजनीतिक टकराव देखने को मिला। रिपब्लिकन सांसदों ने उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य शक्ति पर नियंत्रण लगाने के लिए लाया गया था। यह प्रस्ताव ट्रंप को मादक पदार्थों के कार्टेल पर आगे की सैन्य कार्रवाई से पहले कांग्रेस से अनुमति लेने के लिए बाध्य करता। इस प्रस्ताव के पक्ष में 48 और विरोध में 51 वोट पड़े। वोटिंग में ज्यादातर रिपब्लिकन सांसदों ने विरोध किया। सिर्फ दो रिपब्लिकन ने समर्थन किया जबकि एक डेमोक्रेटिक सांसद ने विरोध में वोट डाला।

ट्रंप की युद्ध अधिकार की घोषणा : ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में कैरिबियाई क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले जहाजों को निशाना बनाकर सैन्य हमले किए। व्हाइट हाउस का कहना है कि चार जहाज नष्ट किए गए, 21 लोगों की मौत हुई और अमेरिका में पहुंचने वाली बड़ी मात्रा में ड्रग्स को रोका गया। प्रशासन का दावा है कि ड्रग तस्कर सशस्त्र दुश्मन हैं और उन पर युद्ध की तरह कार्रवाई की जा सकती है। लेकिन इस पर कांग्रेस में असहमति गहराती जा रही है।

क्या है वॉर पावर्स रिजॉल्यूशन?

वॉर पावर्स रिजॉल्यूशन ऑफ 1973, एक ऐतिहासिक कानून है, जो वियतनाम युद्ध के बाद बनाया गया था। इसका उद्देश्य राष्ट्रपति को बिना कांग्रेस की अनुमति के युद्ध शुरू करने से रोकना है। इस कानून के तहत राष्ट्रपति को किसी भी सैन्य अभियान के लिए कांग्रेस से स्पष्ट मंजूरी लेनी होती है।

विपक्ष का तर्क- कांग्रेस की शक्ति छीनी जा रही है : डेमोक्रेटिक सांसदों ने कहा कि ट्रंप बिना कांग्रेस की अनुमति के सैन्य हमले नहीं कर सकते। उनके अनुसार यह अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों का उल्लंघन है। टिम केन और एडम शिफ ने इस प्रस्ताव को पेश किया था। उन्होंने कहा कि इस वोटिंग ने भले ही कानून पास न कराया हो, लेकिन यह एक मजबूत राजनीतिक संदेश गया है कि हर कोई राष्ट्रपति की असीमित शक्ति से सहमत नहीं। रैंड पॉल, जो रिपब्लिकन पार्टी से हैं लेकिन लंबे समय से युद्ध अधिकारों पर कांग्रेस की भूमिका को मजबूत करने के पक्षधर हैं, उन्होंने भी प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस को कार्यपालिका को जज, ज्यूरी और जल्लाद बनने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। रिपब्लिकन का रुख- देश की सुरक्षा पहले दूसरी ओर, रिपब्लिकन नेताओं ने डेमोक्रेट्स पर आरोप लगाया कि वे राजनीतिक खेल खेल रहे हैं। जिम रिस्क, जो सीनेट फॉरेन रिलेशंस कमेटी के प्रमुख हैं, ने कहा कि ड्रग्स अमेरिकी नागरिकों को मारने का हथियार बन चुके हैं। उन्होंने कहा, जो जहाज नष्ट किए गए, उनमें जो जहरीला माल था वो अब समुद्र की गहराइयों में है। मार्को रूबियो ने रिपब्लिकन सीनेटरों को समझाने के लिए लंच मीटिंग में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि कई कार्टेल अब कैरेबियाई देशों के बड़े हिस्सों पर कब्जा कर चुके हैं और वे सरकारों की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ये संगठन अमेरिकी सड़कों पर हिंसा और अपराध फैला रहे हैं। राष्ट्रपति का कर्तव्य है कि वह देश की रक्षा करे। सीनेट सशस्त्र सेवा समिति को पिछले हफ्ते ट्रंप प्रशासन ने एक गोपनीय ब्रीफिंग दी थी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए कई रक्षा समझौते, राजनाथ सिंह और रिचर्ड मार्ल्स रहे मौजूद

कैनबरा, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस की उपस्थिति में प्रमुख रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए है। बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय दौरे के तहत बीते दिन सिडनी पहुंचे थे। ऑस्ट्रेलिया और भारत की रक्षा साझेदारी लगातार हो रही मजबूत इस समझौते के बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ऑस्ट्रेलिया और भारत की रक्षा साझेदारी लगातार मजबूत होती जा रही है - जो विश्वास, साझा हितों और शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्धता पर आधारित है। ऑस्ट्रेलिया-भारत रक्षा मंत्रियों की पहली वार्ता के लिए भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की पहली ऑस्ट्रेलिया यात्रा पर उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई। समझौते पर ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री का बयान वहीं इस समझौते के बाद ऑस्ट्रेलियाई उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा, मुझे लगता है कि आज का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हम जो गहरा विश्वास और रणनीतिक तालमेल देख रहे हैं, वह अब दोनों रक्षा बलों के बीच कहीं अधिक गहन परिचालन स्तर की सहभागिता में व्यक्त हो रहा है। हमारे परिचालन कमांडों के बीच स्टाफ वार्ता के संदर्भ में हमने जो समझौता किया है, वह अत्यंत महत्वपूर्ण है... हम इसे लेकर बहुत उत्साहित हैं। कैनबरा में रक्षा और रणनीतिक सहयोग पर मंथन इसके अहम रक्षा समझौते के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने कार्यक्रमों के तहत ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा पहुंचे, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करना है। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के सहायक रक्षा मंत्री पीटर खलील और संयुक्त अभियान प्रमुख वाइस एडमिरल जस्टिन जोन्स ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री से मिले राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा स्थित संसद भवन में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स से मुलाकात की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स तथा दोनों पक्षों के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ कैनबरा, ऑस्ट्रेलिया के संसद भवन में बैठक की। बाद में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज भी बैठक में शामिल हुए। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री से राजनाथ सिंह की मुलाकात वहीं कैनबरा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग से मुलाकात और उनके साथ एक उच्च स्तरीय बैठक भी की है। इसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक का भी दौरा किया।

गाजा में इस्राइली ठिकानों पर आतंकी हमला नाकाम, आईडीएफ की जवाबी कार्रवाई में कई दहशतगर्द ढेर

गाजा, एजेंसी। गाजा में आतंकवादियों ने बुधवार को इस्राइल डिफेंस फोर्स की सुरक्षा पोस्ट्स पर हमला करने का प्रयास किया। आईडीएफ ने कहा कि उन्होंने कई आतंकवादियों को समाप्त कर दिया और इस घटना में आईडीएफ के किसी भी सैनिक को कोई चोट नहीं आई। आईडीएफ ने अपने एक्स अकाउंट पर बताया कि गाजा शहर क्षेत्र में कई आतंकवादियों ने आईडीएफ पोस्ट पर हमला करने का प्रयास किया। आईडीएफ सैनिकों ने वायुसेना के सहयोग से कई आतंकवादियों को समाप्त कर दिया। अतिरिक्त आतंकवादियों की खोज जारी है। इस घटना में आईडीएफ सैनिक सुरक्षित हैं। इस सप्ताहांत हो सकती है ट्रंप की मध्य पूर्व यात्रा इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे इस सप्ताहांत मध्य पूर्व जा सकते हैं। उनका यह संभावित दौरा गाजा में बंदी-बदल समझौते और संघर्षविराम वार्ता के बीच हो सकता है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा शांति समझौता बहुत नजदीक है और मैं शनिवार को वहां जा सकता हूं। हमारी टीम बहुत अच्छी तरह से वार्ता कर रही है। ट्रंप ने कहा मध्य पूर्व के लिए शांति एक सुंदर विचार है और हम आशा करते हैं कि यह साकार होगा। हमारी टीम और विपक्ष की टीम दोनों ही उत्कृष्ट हैं। मुझे लगता है कि यह जल्द ही होगा। इस्राइल के विदेश मंत्री ने की बैठक की आलोचना इस्राइल के विदेश मंत्री गिडियन सार ने शुक्रवार को पेरिस में होने वाली बैठक की कड़ी आलोचना की, जिसमें यूरोपीय, अरब और अन्य राजदूत गाजा के युद्धोपरांत संक्रमण और स्थायी संघर्षविराम के प्रयासों पर चर्चा करेंगे। सार ने इस पहल को अनावश्यक और हानिकारक बताया और कहा कि यह शर्म एल-शेख में चल रही वार्ता के संवेदनशील समय में इस्राइल की पीठ पीछे तैयार की गई। सार ने एक्स पर लिखा कि हम इसे राष्ट्रपति माक्रों का एक और प्रयास मानते हैं, जो अपने घरेलू मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए इस्राइल का उपयोग कर रहे हैं। इस घटना के बाद गाजा में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और दोनों पक्षों द्वारा कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद इलाके में संघर्ष की आशंका बनी हुई है।

हमास-इजराइल शांति समझौते के पहले चरण पर सहमत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। गाजा में दो साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए इजराइल और हमास ने अमेरिका की मध्यस्थता वाले शांति समझौते (पीस डील) के पहले चरण पर सहमति जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर लिखा, जल्द ही सभी बंधकों को रिहा किया जाएगा और इजराइल अपनी सेना को एक तय लाइन तक वापस बुलाएगा। यह मजबूत और स्थायी शांति की दिशा में पहला कदम है। फॉक्स न्यूज से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा पहले चरण के तहत गाजा में इजराइल के बंधक बनाए गए लोगों को सोमवार तक रिहा किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हमें लगता है कि वे सभी सोमवार को वापस आ जाएंगे। वहीं, इस हफ्ते के आखिर तक ट्रम्प मिस्र जा सकते हैं। समझौते के 72 घंटे के अंदर बंधकों की रिहाई होगी यह समझौता मिस्र में 8 अक्टूबर को हुई इनडायरेक्ट बातचीत के बाद हुआ है। समझौते में गाजा से इजराइली सेना की वापसी और कैदियों की अदला-बदली शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, समझौते के लागू होने के 72 घंटे के भीतर लगभग 2,000 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले सभी जीवित इजराइली बंधकों को रिहा किया जाएगा। इजराइल सरकार के प्रवक्ता ने रॉयटर्स को बताया कि इजराइल को उम्मीद है कि बंधकों की रिहाई जल्द शुरू होगी। बंधकों की रिहाई में मृत लोगों के शव भी शामिल हैं। कतरी मध्यस्थों ने भी समझौते की पुष्टि की है। हालांकि, इसके आगे की जानकारी बाद में घोषित करने की बात कही। कैदियों की रिहाई के बदले इजराइल गाजा से अपनी सेना पीछे हटाएगा। हमास ने ट्रम्प और गारंटर देशों से अपील की है कि वे इजराइल से समझौते का पूरी तरह पालन करवाएं। इसपर ट्रम्प ने कहा कि सभी पक्षों के साथ एक जैसा व्यवहार

किया जाएगा। इसके साथ ही ट्रम्प ने कतर, मिस्र और तुर्किये को मध्यस्थता के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, यह अरब, इजराइल, अमेरिका और आसपास के सभी देशों के लिए एक महान दिन है। ट्रम्प ने 5 अक्टूबर को इजराइल की वापसी को दिखाते हुए एक मैप भी शेयर किया था। इसने उन्होंने पीली लाइन के जरिए बताया की इजराइली सेना पहले चरण में वहां तक पीछे हटेगी। बता दें कि इस संघर्षविराम के पहले चरण के तहत, हमास सात अक्तूबर 2023 के हमले के बाद बंदी बनाए गए 48 इस्राइली नागरिकों को रिहा करेगा। हालांकि, इनमें से केवल लगभग 20 लोगों के जीवित होने की उम्मीद है। इसके बदले में इस्राइल सैकड़ों फलस्तीनियों को रिहा करेगा, जिनमें महिलाएं, बच्चे और आजीवन कारावास की सजा पाए हुए कैदी शामिल होंगे। पहले के समझौतों के आधार पर, एक इस्राइली बंधक के बदले कम से कम 100 फिलिस्तीनी रिहा किए जाएंगे। इतना ही नहीं समझौते के तहत जब तक दोनों पक्ष पूर्ण संघर्षविराम की शर्तों को नहीं मान लेते, तब तक सभी सैन्य गतिविधियां, जैसे हवाई और तोपों से गोलाबारी रोक दी जाएंगी और सेना अपनी जगह स्थिर रहेगी। व्हाइट हाउस के अनुसार, जब सभी बंधकों को रिहा कर दिया जाएगा, तब इस्राइल 250 आजीवन कारावास पाए हुए फलस्तीनी कैदियों और हमास हमले के बाद हिरासत में लिए गए 1,700 गाजावासियों को छोड़ेगा। इसके अलावा प्रत्येक मृत इस्राइली बंधक के शव के बदले इस्राइल 15 मृत गाजावासियों के शव लौटाएगा। ट्रंप की योजना के तहत, समझौते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के 72 घंटे के भीतर सभी बंधक, चाहे जीवित हों या मृत रिहा कर दिए जाएंगे। कतर के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि इस पहले चरण में गाजा में राहत सामग्री और जरूरी सहायता भी पहुंचाई जाएगी, जहां अब भुखमरी जैसे हालात हैं। वहीं इस संघर्ष विराम को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसे ऐतिहासित बताया। उन्होंने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि यह अरब, मुस्लिम देश, इस्राइल, आसपास के सभी देशों और अमेरिका के लिए महान दिन है। हम कतर, मिस्र और तुर्की के मध्यस्थों का धन्यवाद करते हैं। गौरतलब है कि गाजा में संघर्ष की शुरुआत दो साल पहले सात अक्तूबर 2023 को हमास का इस्राइल पर हमला करने के साथ हुई थी।

दूसरा टेस्ट : यशस्वी के शतक से भारत ने बनाये दो विकेट पर 318 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। यशस्वी जायसवाल के शानदार शतक से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 318 रन बना लिए थे। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय यशस्वी नाबाद 173 व कप्तान शुभमन गिल 20 रनों पर खेल रहे थे। आउट होने वाले बल्लेबाज साई सुदर्शन 87 और केएल राहुल 38 रन रहे। सुदर्शन केवल 13 रनों से अपना शतक पूरा नहीं कर पाये। वह 165 गेंद पर 87 रन बनाकर आउट हुए। आज सुबह भारतीय कप्तान शुभमन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जो सही साबित हुआ। मैच में भारतीय बल्लेबाज छाये रहे। यशस्वी ने इस मैच में अपने करियर का सातवां शतक लगा दिया और अब वह दोहरे शतक की ओर बढ़ रहे हैं। अब देखना हो कि वह दूसरे दिन दोहरा शतक लगा पाते हैं या नहीं। राहुल के आउट होने के बाद सुदर्शन के साथ मिलकर यशस्वी ने जबरदस्त बल्लेबाजी

कर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। सुदर्शन ने भी अच्छी बल्लेबाजी की पर वह जोमेल वारिकन की गेंद पर आउट हो गये। वारिकन ने ही इससे पहले राहुल को भी अपना शिकार बनाया था। सुदर्शन के आउट होने के बाद शुभमन और यशस्वी ने भारतीय टीम के स्कोर को आगे बढ़ाया। मेहमान टीम की ओर से जायडन सील्स ने भी अच्छी गेंदबाजी की लेकिन उन्हें कोई विकेट हासिल नहीं हुआ। शुरुआती घंटे में अच्छी गेंदबाज़ी करने के साथ ही वेस्टइंडीज़ ने अंतिम सत्र में भी आक्रामक गेंदबाजी कर विकेट लेने का प्रयास किया पर सफल नहीं हुई। आज युशस्वी और सुदर्शन के बीच दूसरे विकेट के लिए 193 रन की अच्छी साझेदारी निभाई। यशस्वी ने सातवां शतक लगाने के साथ ही अपने 3000 रन भी पूरे किये।

यशस्वी ने सातवां शतक लगाने के साथ ही बनाये कई रिकार्ड, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 3000 रन पूरे किये

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने शुक्रवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाकर एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। इस मैच में यशस्वी ने अपने टेस्ट करियर का सातवां शतक लगाया। इसी के साथ ही वह एलेस्टेयर कुक और जावेद मियांदाद जैसे खिलाड़ियों के 24 साल से कम उम्र में सात शतक लगाने वाले चार खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये। यशस्वी ने 145 गेंदों में 16 चौके लगाते हुए अपना शतक बनाया। जायसवाल ने ये सातवां टेस्ट शतक 24 साल से कम उम्र में बनया है और ऐसे में अब वह मियांदाद, ग्रीम स्मिथ,कुक और केन विलियमसन के साथ सात-सात शतक लगाने वाले क्लब में शामिल हो गए है। वहीं इस मैच में यशस्वी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 3000 रन पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ ही वह 23 साल की उम्र में ऐसा कारनामा करने वाले 6ठे भारतीय बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गजों की सूची में अपनी जगह बना ली है। 23 साल की उम्र में बतौर भारतीय सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम है। तेंदुलकर ने इस दौरान 8696 रन बनाए थे, वहीं विराट कोहली 5052 रनों के साथ ही सूची में दूसरे स्थान पर है। इस सूची में युवराज सिंह, सुरेश रैना और रवि शास्त्री जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी शामिल हैं।

23 साल की उम्र में भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन

8696 - सचिन तेंदुलकर, 5052 - विराट कोहली, 3853 - युवराज सिंह, 3350 - सुरेश रैना, 3224 - रवि शास्त्री, 3000 - यशस्वी जायसवाल

हरमनप्रीत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के लिए शीर्ष क्रम को जिम्मेदार बताया

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्वकप मुकाबले में हार के बाद बेहद नाराज नजर आयीं। इस मैच में भारतीय टीम जीत के करीब पहुंचकर भी हार गयी। विश्वकप में ये भारतीय टीम की पहली हार है। पहले मैच में उसने श्रीलंका और दूसरे में पाकिस्तान को हराया था। हरमनप्रीत ने हार के लिए शीर्ष क्रम को जिम्मेदार बताया है। उनका कहना है कि शीर्ष क्रम ने रन नहीं बनाये। इस मैच में ऋचा घोष के साथ मिलकर निचले क्रम की बल्लेबाजों ने रन बनाकर सम्मानजनक स्कोर बनाया। ऋचा की इस मैच में 94 रनों की पारी के बाद भी टीम को हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में शुरुआती पांच विकेट गंवाने के बाद भी जीत हासिल कर ली।

मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा, 'शीर्ष क्रम ने जिम्मेदारी से नहीं खेला और अपने विकेट सस्ते में ही गंवा दिये।ये गलती इससे पहले के मैचों में भी हुई थी हालांकि हमें काफी सबक भी मिले हैं। मुझे लगता है कि एक टीम के रूप में हमें बैठकर बात करनी होगी कि एक अच्छा स्कोर बनाने के लिए कौन सी चीजें हमारे लिए प्रभावी होंगी। यह एक लंबा टूर्नामेंट है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच हमारे लिए मुश्किल पर हमें इससे काफी कुछ सीखने को भी मिला है। इससे हमें आगे के मैचों में बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली है।' उन्होंने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका से मुकाबला कठिन रहा। दोनों टीमों ने ही शानदार खेल दिखाया। हालांकि बल्लेबाजी करते हुए हम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये और 250 के स्कोर तक ही पहुंच पाये। दूसरी ओर विरोध टीम की क्लो और डी क्लार्क ने जबरदस्त बल्लेबाजी कर मैच हमारे हाथों से छीन लिया। उन्होंने दिखाया कि पिच बहुत अच्छी थी और जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, उससे वे जीत की अधिकारी थीं।'

भारतीय टीम की ओर से ऋचा ने इस मैच में दक्षिए अफ्रीका के खिलाफ 94 रनों की पारी खेली, यह महिता एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में 8वें या उससे नीचे नंबर पर खेली गई अब तक की सबसे बड़ी पारी है। ऋचा की बल्लेबाजी को लेकर हरमन बोलीं, 'ऋचा हमेशा हमारे लिए हमेशा से ही महत्वपूर्ण खिलाड़ी रही हैं। वह हमेशा मैच का रुख बदल सकती हैं। और जिस तरह से उन्होंने कठिन हालात में बल्लेबाजी की, हम सभी इसे देखकर बहुत खुश हुए।'

रणजी ट्रॉफी : दिल्ली ने किया टीम का ऐलान, बडोनी करेंगे कप्तानी, नीतीश राणा की वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली ने हैदराबाद के खिलाफ 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के लिए शुक्रवार को 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें आयुष बडोनी को कप्तान और यश ढुल को उपकप्तान नियुक्त किया गया है।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) की चयन समिति ने नितीश राणा को भी टीम में शामिल किया है। राणा उत्तर प्रदेश के साथ कुछ समय तक खेलने के बाद दिल्ली की टीम में वापस आ गए हैं। DDCA सचिव अशोक शर्मा ने बताया, 'चयनकर्ताओं ने 24 खिलाड़ियों को इसलिए चुना है क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे प्रत्येक मैच में चयन के लिए एक बड़ा पूल हमेशा उपलब्ध रहता है। जब हम दिल्ली में घरेलू मैच खेलेंगे, तो हम इसे घटाकर 15 कर देंगे।' राणा की वापसी पर शर्मा ने कहा, 'वह एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और चयनकर्ता उन्हें परखना चाहते थे। अगले मैच में हम ऋषभ पंत के खेलने की उम्मीद कर रहे हैं।' बैठक में चयनकर्ता यशपाल सिंह, के भास्कर पिल्लई और मनु नायर के साथ-साथ मुख्य कोच सरनदीप सिंह, सीएसी सदस्य सुरिंदर खन्ना और डीडीसीए के अधिकारी अशोक शर्मा (सचिव) और अमित ग्रोवर (संयुक्त सचिव) भी शामिल हुए।

दिल्ली टीम

आयुष बडोनी (कप्तान), यश ढुल (उप-कप्तान), अर्पित राणा, सनत सांगवान, अनुज रावत (विकेटकीपर), सुमित माथुर, शिवम शर्मा, रौनक वाघेला, नवदीप सैनी, सिमरजीत सिंह, मनी ग्रेवाल, सिद्धांत शर्मा, ध्रुव कौशिक, प्रणव राजवंशी (विकेटकीपर), नीतीश राणा, हिम्मत सिंह, आयुष दोसेजा, राहुल डागर, रितिक शौकीन, प्रियांश आर्य, तेजस्वी (विकेटकीपर), वैभव कांडपाल, रोहन राणा, आर्यन राणा (फिटनेस हासिल करने पर)।

आईपीएल 2026 नीलामी की संभावित तारीख आई सामने, रिटेंशन की अंतिम तिथि 15 नवंबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। IPL 2026 की नीलामी दिसंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में होने की संभावना है, और 13-15 दिसंबर संभावित समय के रूप में उभर रहे हैं। फ्रेंचाइज़ी अधिकारियों, जिन्होंने BCCI अधिकारियों से बात की है। रिपोर्ट में बताया है कि चर्चा इन्हीं तारीखों पर केंद्रित है, हालांकि लीग की गवर्निंग कौंसिल ने अभी तक कार्यक्रम तय नहीं किया है। इसके अलावा इस समय इस बात का कोई संकेत नहीं है कि नीलामी विदेश में आयोजित की जाएगी, जैसा कि पिछले दो संस्करणों में हुआ था - पहले दुबई (2023) और फिर सऊदी अरब के जेद्दा (2024) में।

फ्रेंचाइज़ी सूत्रों का कहना है कि अगर BCCI भारत में ही मिनी-नीलामी आयोजित करने का फैसला करता है, तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। हालांकि यह फैसला अभी तक पक्का नहीं हुआ है। यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि रिटेंशन की समय सीमा 15 नवंबर है। तब तक, फ्रेंचाइज़ी को उन खिलाड़ियों के नाम जमा करने होंगे जिन्हें वे नीलामी से पहले रिलीज़ करने की योजना बना रहे हैं। बड़े पैमाने पर बदलाव के कोई संकेत नहीं हैं, सिवाय शायद चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के, जो पिछले सीजन में सबसे निचले पायदान पर रहे थे।

ये खिलाड़ी हो सकते हैं रिलीज

रिलीज सूची में कथित तौर पर शामिल खिलाड़ियों में दीपक हुड्डा, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, सैम करेन और चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के डेवोन कॉनवे भी शामिल हैं। आर अश्विन के IPL से संन्यास लेने के बाद पांच बार की चैंपियन टीम के पास पहले ही 9.75 करोड़ रुपए जुड़ चुके हैं। रॉयल्स की सूची में सबसे ऊपर संजू सैमसन होंगे, जब तक कि फ्रेंचाइज़ी कप्तान के लिए कोई ट्रेड नहीं कर लेती।

रॉयल्स द्वारा अपने दो श्रीलंकाई स्पिनरों वानिंदु हसरंगा और महेश दीक्षाना को रिलीज करने की योजना की भी चर्चा थी, लेकिन कुमार संगकारा के मुख्य कोच के रूप में वापसी के साथ यह सोच बदल सकती है। टी नटराजन, मिशेल स्टार्क, आकाशदीप, मयंक यादव और डेविड मिलर जैसे खिलाड़ियों को नई फ्रेंचाइज़ी की तलाश करनी पड़ सकती है, हालांकि अभी तक इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है - ठीक वैसे ही जैसे पिछली नीलामी में तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी वेंकटेश अय्यर के मामले में हुआ था, जिन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स ने 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा था।

फ्रेंचाइज़ी के बीच चल रही चर्चा के अनुसार कैमरून ग्रीन के नीलामी में सबसे चर्चित नामों में से एक होने की उम्मीद है। चोट के कारण पिछली नीलामी से चूकने वाले इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने पहले ही कई टीमों का ध्यान आकर्षित कर लिया है और निश्चित रूप से उन पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

राहुल डब्ल्यूटीसी में 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों के विशेष क्लब में शामिल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज़ केएल राहुल ने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले ही दिन 16 रन बनाने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। इसी के साथ ही राहुल चैंपियनशिप विश्व टेस्ट (डब्ल्यूटीसी) में 2000 रन बनाने वाले सातवें भारतीय बल्लेबाज़ बन गये। राहुल ने जेडन सील्स की गेंद पर लगातार दो चौके लगाकर अपने 2000 रन पूरे किये। इसके साथ ही वह विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ डब्ल्यूटीसी में 2000 से अधिक रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की एक खास सूची में शामिल हो गये। अभी भारतीय टीम की ओर से डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा रन ऋषभ पंत के नाम 2731 हैं। उनके बाद रोहित शर्मा 2716 रन , शुभमन गिल 2697 रन, विराट कोहली 2617 रन, रवींद्र जडेजा 2505 रन और यशस्वी जायसवाल 2251 रन हैं। वहीं विश्व में सबसे अधिक रन का रिकार्ड इंग्लैंड के जो रूट के नाम है। रूट ने अब तक 69 टेस्ट मैचों में 6080 रन बनाए हैं।

प्रशंसक रोहित, विराट की बल्लेबाज देखने स्टेडियम जरुर जाएं : हैडिन

सिडनी । इस माह भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौर में सभी के आकार्षण का केन्द्र भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली रहेंगे। ये दोनो ही करीब सात महीने बाद खेलते नजर आयेंगे। इसी को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ब्रैड हैडिन ने क्रिकेट प्रशंसकों ने कहा है कि इस बार स्टेडियम जाकर मैच जरुर देख लें क्योंकि ये विराट और रोहित का अंतिम दौरा हो सकता है। हैडिन ने कहा, ' वे खेल के महान खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि यह आखिरी बार होगा जब वे हमारे मैदानों पर खेलते दिखेंगे। इसलिए उनको खेलते हुए देखने के इस अवसर को मत खोना।' उन्होंने कहा कि शुभमन के कप्तान बनने के बाद अब रोहित केवल एक बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। भारतीय टीम का ये दौरा 19 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसमें वह तीन एकदिवसीय और पाँच टी20 मैच ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। विराट और रोहित, दोनों ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया है और अब ये दोनो केवल एकदिवसीय सीरीज में ही नजर आयेंगे। टी20 से इन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया था। रोहित ने साल 2017 में एकदिवसीय कप्तानी संभाली थी और अब तक 56 मैचों में 42 जीत दर्ज की हैं। उनका 75फीसदी का जीत प्रतिशत उन्हें दुनिया के सबसे सफल सफेद गेंद कप्तानों में शामिल करता है। हैडिन ने भारतीय टीम के उभरते हुए टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की भी जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अभिषेक की आक्रामक बल्लेबाजी को देखने के लिए पैसे खर्च करो।'

पूर्व क्रिकेटर जूलियन की याद में काली पट्टी बांधकर उतरी वेस्टइंडीज टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के खिलाफ शुक्रवार से यहां शुरु हुए दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में मेहमान टीम वेस्टइंडीज के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर उतरे। रोस्टन चेज की कप्तानी वाली इंडीज टीम के खिलाड़ियों ने दिवंगत बर्नार्ड जूलियन की याद में काली पट्टी बांधी थी। 75 साल के जूलियन का 4 अक्टूबर को त्रिनिदाद एंड टोबैगो के वाल्सेन में निधन हो गया। जूलियन ने वेस्टइंडीज की ओर से साल 1973-77 के दौरान 24 टेस्ट और 12 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे। टेस्ट क्रिकेट में जूलियन ने 30.92 की औसत से 866 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और 3 अर्धशतक शामिल हैं। जूलियन ने टेस्ट मैचों में 37.36 के औसत से 50 विकेट भी लिए हैं। वह 1975 विश्वकप विजेता टीम के भी सदस्य रहे थे।

जूलियन के नाम पर एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में 14.33 की औसत से 86 रन दर्ज हैं। उनके नाम 18 विकेट भी हैं। दिल्ली टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज ने अपनी टीम में दो बदलाव किए. ब्रैंडन किंग और जोहान लेन की जगह पर विकेटकीपर टेविन इमलाच और तेज गेंदबाज एंडरसन फिलिप को शामिल किया गया है। दूसरी ओर भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

मैक्सवेल को भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलने की उम्मीद

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भारतीय टीम के खिलाफ अगले माह होने वाली टी20 सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। मैक्सवेल अभी कलाई की सर्जरी से उबर रहे हैं। मैक्सवेल को उम्मीद है कि वह भारतीय टीम के खिलाफ टी20 सीरीज के अंतिम तीन मैचों तक पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। मैक्सवेल ने अपनी दाहिनी कलाई की सर्जरी कराई है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले नेट सत्र के दौरान चोटिल हो गये थे। उन्हें भारत के खिलाफ 29 और 31 अक्टूबर को होने वाले पहले दो टी20 मैचों के लिए शामिल नहीं किया गया है। मैक्सवेल ने कहा, ''मुझे लगता है कि सर्जरी के बाद मेरे भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज में खेलने की थोड़ी उम्मीद बनी है हालांकि इसके लिए मुझे शीघ्र फिटनेस हासिल करनी होगी।'' मैक्सवेल ने जल्द से जल्द फिट होने के लिए सर्जरी का विकल्प चुना, जिससे वह भारतीय टीम के साथ होने वाली सीरीज के अंतिम तीन मैचों में खेल सकें। ये मैच होबार्ट में दो नवंबर, गोल्ड कोस्ट में छह नवंबर और ब्रिस्बेन में आठ नवंबर को खेले जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, ''मैंने सर्जरी इसलिए करवाई, क्योंकि मुझे दो विकल्प दिए गए थे या तो मैं भारत के खिलाफ सीरीज से हट जाऊं या उसमें खेलने के लिए अपनी उम्मीद बनाये रखूं। इससे मेरी उस सीरीज में खेलने की उम्मीद बनी रहेगी। यदि ऐसा नहीं हुआ तो भी मैं बीबीएल में खेल पाउंगा और मुझे लगता है कि इससे मुझे शारीरिक तौर पर पूरी तरह से फिट रहने में सहायता मिलेगी।'' मैक्सवेल ने कहा कि उनकी कलाई से प्लास्टर हटा दिया गया है पर अभी वह सावधानी रखने के लिए प्लास्टिक की पट्टी पहनेंगे पर उन्हें कलाई को फिर से हिलाने-डुलाने की अनुमति मिल गयी है। टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य को लेकर उन्होंने कहा कि वह अभी ज्यादा आगे का नहीं सोच रहे। मैक्सवेल ने कहा, ''मैं इस समय सचमुच बीबीएल के पहले दौर के बारे में सोच रहा हूं।'' मैक्सवेल ने कहा कि वह आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) को लेकर उत्साहित हैं, जहां वह मेलबर्न स्टार्स की कप्तानी करेंगे। उन्होंने पूर्व भारतीय स्पिनर आर अश्विन के साथ अनुबंध को टूर्नामेंट के लिए बड़ी उपलब्धि बताया।

विराट-रोहित अजीत अगरकर की शर्तों पर सहमत, न्यूजीलैंड वनडे से पहले घरेलू टूर्नामेंट में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के वरिष्ठ बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के निर्देशों का पालन करते हुए आगामी विजय हज़ारे ट्रॉफी में खेलने पर सहमति जताई है। यह फैसला जनवरी में होने वाली न्यूज़ीलैंड वनडे सीरीज़ से पहले लिया गया है। अगरकर ने हाल ही में स्पष्ट किया था कि हर केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी, जो फिट और उपलब्ध है, उसे घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेना होगा ताकि 2027 वनडे विश्व कप सहित भविष्य की टीम चयन प्रक्रिया में अपनी दावेदारी बनाए रखी जा सके।

अगरकर का सख्त निर्देश- 'घरेलू क्रिकेट से दूरी अब बर्दाश्त नहीं'

चयनकर्ता अजीत अगरकर ने वरिष्ठ खिलाड़ियों के लगातार घरेलू टूर्नामेंटों से दूरी बनाए रखने पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय मैचों के बीच लंबा ब्रेक लेने वाले खिलाड़ियों को विजय हज़ारे ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंटों में खेलना अनिवार्य होगा। ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज की घोषणा के दौरान अगरकर ने दो टूक कहा था, ÷घरेलू क्रिकेट राष्ट्रीय टीम का आधार है। जो खिलाड़ी चयन की दौड़ में रहना चाहते हैं, उन्हें उसमें भाग लेना ही होगा।'

कोहली और रोहित की उपलब्धता की पुष्टि

रिपोर्ट के मुताबिक, कोहली और रोहित दोनों ने 24 दिसंबर से शुरू हो रही विजय हज़ारे ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है। दोनों खिलाड़ी कम से कम तीन से चार मैच खेलने के लिए तैयार हैं।

बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया, '6 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम वनडे और 11 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के बीच पाँच हफ़्तों का अंतर है। इस दौरान खिलाड़ी अपनी राज्य टीमों के लिए खेल सकते हैं।' रोहित मुंबई और कोहली दिल्ली का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भारत के विनय ने पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

काहिरा (मिस्र) (एजेंसी)। भारत के उभरते पैरा पावरलिफ्टिंग स्टार विनय ने काहिरा, मिस्र में आयोजित पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 के दूसरे दिन 72 किग्रा जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। विनय ने अपने तीन प्रयासों में 137 किग्रा, 142 किग्रा और 147 किग्रा की प्रभावशाली श्रृंखलाएं दर्ज कीं। उनके 147 किग्रा के अंतिम भार को रेफरी ने अमान्य घोषित कर दिया, लेकिन 142 किग्रा का उनका दूसरा सफल भार स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए पर्याप्त था जिसमें उन्होंने पोलैंड के मिकोलज कोसियुबिंस्की को, जिन्होंने 141 किग्रा भार उठाया था, मामूली अंतर से हराया।

इक्वाडोर के सेबेस्टियन एफ. ने 137 किग्रा भार उठाकर कांस्य पदक जीता। यह विनय की दूसरी बड़ी अंतरराष्ट्रीय जीत है - इससे पहले, उन्होंने मिस्र के शर्म-अल-शेख में पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व कप 2024 में 59 किग्रा जूनियर वर्ग में 120 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता था। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के रहने वाले विनय का सफर साहस और दृढ़ संकल्प से भरा है। एक गरीब परिवार में जन्मे - उनके पिता दिहाड़ी मजदूर हैं - विनय का जीवन तब बदल गया जब भारतीय पैरा पावरलिफ्टिंग टीम के कोच जे.पी. सिंह ने एक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उनकी प्रतिभा को पहचाना।

सिंह के मार्गदर्शन में विनय ने अपनी क्षमता को विश्व स्तरीय प्रदर्शन में बदल दिया। यह स्वर्ण पदक न केवल भारत के लिए अपार गौरव की बात है, बल्कि लॉस एंजेलिस पैरालंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करने के रास्ते में विनय की स्थिति को भी मजबूत करता है। स्वर्ण पदक जीतने के बाद, उत्साहित विनय ने कहा, 'यह पदक सिर्फ़ मेरा नहीं है - यह हर उस व्यक्ति का है जिसने मुझ पर तब विश्वास किया जब मेरे पास कुछ नहीं था।

गोरखपुर की छोटी गलियों से लेकर काहिरा के विश्व मंच तक, यह सफर आसान नहीं था। मैं भारतीय टीम के कोच जितेंद्र पाल सिंह, राजिंदर सिंह रहेलू और नितिन आर्य सर का शुक्रिया अदा करता हूँ जिन्होंने मुझमें उस समय क्षमता देखी जब किसी और ने नहीं देखी थी। मैं यह स्वर्ण पदक अपने परिवार, अपने देश और हर उस युवा एथलीट को समर्पित करता हूँ जो परिस्थितियों से परे सपने देखने की हिम्मत रखता है।'

भारतीय टीम के कोच जेपी सिंह ने कहा, 'विनय की जीत कड़ी मेहनत, अनुशासन और विश्वास की सफलता का प्रतिबिंब है। जब मैं उनसे पहली बार मिला था, तब उनमें अटूट शक्ति थी, लेकिन कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं था। आज,

वह एक विश्व चैंपियन हैं। उनकी सफलता दर्शाती है कि सही समर्थन के साथ, भारत के पैरा एथलीट किसी भी वैश्विक मंच पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।' भारत ने इस विश्व चैंपियनशिप में 3 जूनियर और 22 सीनियर एथलीटों सहित 25 पैरा पावरलिफ्टरों की एक मजबूत टीम उतारी है।

शाहीन अफरीदी की पाकिस्तान टेस्ट टीम में वापसी, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिला मौका

लाहौर । बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की करीब 17 महीनों के लंबे अंतराल के बाद पाकिस्तान की टेस्ट टीम में वापसी हो रही है। पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैचों की श्रृंखला का पहला टेस्ट मैच 12 अक्टूबर से लाहौर में शुरू होगा। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र में यह दोनों टीमों का पहला मैच होगा। पाकिस्तान टीम प्रबंधन ने 16 सदस्यीय टीम में चार विशेषज्ञ स्पिनरों को शामिल किया है। ऐसी चर्चा है कि ये मैच स्पिनरों की मददगार पिच पर खेले जायेंगे लेकिन टीम पहले टेस्ट में संतुलित गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेगी। शाहीन शाह अफरीदी, खुर्रम शहजाद के साथ नयी गेंद संभालेंगे, जबकि स्पिन का दारोमदार नौमान अली और साजिद खान पर होगा। 25 साल के शाहीन ने मई 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ अपना पिछला टेस्ट मैच खेला था। दक्षिण अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी चैंपियनशिप का फाइनल जून में लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया को हराकर जीता था। टीम को पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में हालांकि कप्तान तेम्बा बावुमा की सेवाएं नहीं मिलेंगी। वह चोटिल होने के कारण इस दौरे पर नहीं आए हैं।

नीरू बाजवा ने की नई फिल्म की घोषणा

बॉलीवुड फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में अपनी अदाकारी से सभी को अपना दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस नीरू बाजवा ने अपनी नई पंजाबी फिल्म जवाक की घोषणा सोशल मीडिया हैंडल पर की है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया है। नीरू बाजवा ने 5 अक्तूबर 2025 को अपनी आगामी फिल्म जवाक की घोषणा इंस्टाग्राम पोस्ट पर की है। इस पोस्ट के साथ नीरू ने कैप्शन में लिखा, और अधिक पढ़ें...अपने आंद्रे जवाक नू हमेशा जिओंदा राखो, जे वड्डे बन ना ता। सिनेमाघरों में 17 अप्रैल 2026। जवाक का निर्देशन जतिंद्र महुअर कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण संतोष सुभाष कर रहे हैं। जबकि फिल्म की स्क्रिप्ट जगदीप वारिंग ने लिखी है। यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नीरू बाजवा का करियर

हाल ही में नीरू बाजवा अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में नजर आई थीं। नीरू ने अपने करियर की शुरुआत देव आनंद की हिंदी फिल्म मैं सोलह बरस की (1998) से की थी, जिसके बाद उन्होंने कई हिंदी टेलीविजन धारावाहिकों में काम किया. उन्होंने पंजाबी सिनेमा में अपनी खास जगह बनाई और जट्ट एंड जूलियट, सरदार जी, लौंग लाची, शादा, काली जोता जैसी कई हिट फिल्में दीं। अभिनय के अलावा नीरू निर्देशन और प्रोडक्शन में भी हाथ आजमा चुकी हैं। उन्हें तीन बार पीटीसी पंजाबी फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हॉलीवुड की फिल्म इट लिव्स इनसाइड से शुरुआत की है।

अली अब्बास जफर की फिल्म में दिखेगी अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी

'सैयारा' फेम अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी बड़े पर्दे पर पहली बार साथ दिखाई देगी। यह जोड़ी अली अब्बास जफर की नई फिल्म में साथ दिखाई देने वाली है, इस बात की पुष्टि हो गई है। फिलहाल फिल्म का नाम फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन पता चला है कि फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने इसके अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने इस खबर की पुष्टि करते हुए आईएएनएस से कहा, सैयारा ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है और अहान पांडे आज हमारे देश के सबसे बड़े जेन जी अभिनेता हैं। शरवरी 100 करोड़ रुपये की ब्लॉकबस्टर फिल्म मुंज्या का भी हिस्सा थीं। आपके पास दो शानदार कलाकार हैं जिन्होंने साबित

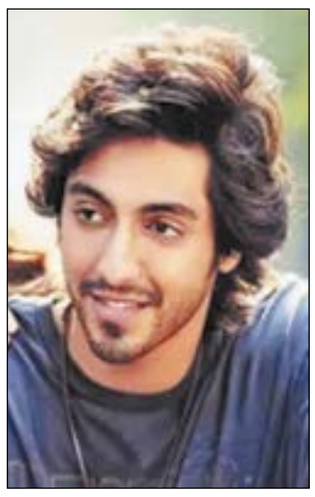

कर दिया है कि सिर्फ उम्दा अभिनय ही लोगों को सिनेमाघरों तक खींच सकता है। उन्होंने आगे कहा, दशकों बाद आपके पास बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परिणाम देने वाले नवोदित और युवा कलाकार हैं। यह अली अब्बास जफर जैसे बड़े फिल्म निर्माताओं को एक ऐसी युवा फिल्म बनाने के लिए उत्साहित करता है, जो रोमांटिक होने के साथ ही एक एक्शन फिल्म भी है। सूत्र ने आगे कहा कि इन दोनों युवा कलाकारों को डायरेक्ट करने के लिए अली अब्बास जफर भी उत्साहित हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। इसे आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं। मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है के बाद अली जफर और आदित्य चोपड़ा की यह पांचवीं फिल्म है। एक अन्य शख्स ने बताया कि मेकर्स को सैयारा की सफलता के बाद अहान पांडे पर भरोसा बढ़ा है। उनका मानना है कि अहान के अंदर जेन जी को सिनेमाघरों में लाने की ताकत है, इसलिए वे भी इसे भुनाना चाहते हैं। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि दोनों साथ काम कर सकते हैं, अब यह बात पुख्ता हो गई है। वैसे पर्दे पर पहली बार शरवरी वाघ और अहान पांडे की जोड़ी साथ दिखाई देगी। इस बारे में जानने के बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग इस फिल्म के लिए अभी से ही उत्साहित हैं।

निक्की तंबोली ने धनश्री वर्मा पर कसा तंज

रियलिटी शो राइज एंड फॉल में नजर आ रहे अरबाज पटेल की गर्लफ्रेंड निक्की तंबोली ने हाल ही में शो का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो के जरिए उन्होंने धनश्री वर्मा को एक्सपोज किया है। दरअसल, निक्की ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें धनश्री कहती है निक्की ने जानबूझकर मेरे सामने बोला कि लोग वीडी में क्या बात करते हैं। मैं बेवकूफ नहीं हूं। बुलाओ उसे, बुलाओ सभी वीडी वालों को। मैंने एक बार भी आपके खिलाफ कुछ नहीं कहा है। निक्की ने इस क्लिप के साथ कैप्शन लिखा, वफादारी की अदाकारी मत करो हमारे सामने, हम शक्ल से नस्ल पहचानने का हुनर रखते हैं। बता दें, निक्की हाल ही में शो में आई थीं। इस दौरान उन्होंने अरबाज से कहा था गेम में बहुत बड़ा धोखा हो रहा है धनश्री से। वह इस सीजन में राइज एंड फॉल की सबसे ज्यादा नापसंद की जाने वाली प्रतियोगी हैं।

HRX फिल्म्स के बैनर तले ऋतिक करेंगे पहली सीरीज का निर्माण

ऋतिक अमेजन प्राइम वीडियो के लिए एक सीरीज बनाने वाले हैं। ऋतिक का एक बड़ा ओटीटी प्रोजेक्ट है, क्योंकि इस पर वो पिछले 3 साल से काम कर रहे हैं। अजितपाल सिंह इस सोशल थ्रिलर सीरीज के निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं, जो इससे पहले वेब सीरीज टब्बर के जरिए एक खूबसूरत कहानी दर्शकों के बीच पेश कर चुके हैं। इस सीरीज के प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। इसकी शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू होगी। सबा के साथ अलाया एफ भी इसमें अहम भूमिका में हैं, वहीं आशीष विद्यार्थी विलन बने हैं। ऋतिक का पूरा ध्यान फिलहाल प्रोडक्शन पर है, ताकि जो विजन इसके लिए उन्होंने सोचा था, वो हासिल किया जा सके। ये बतौर निर्माता ऋतिक की पहली सीरीज है। इसके बाद ऋतिक कृष 4 पर काम करेंगे, जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है। पिछली बार उन्हें वेब सीरीज क्राइम बीट में छोटी सी भूमिका में देखा गया था।

अक्षय ओबेरॉय ने यश के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय हाल ही में फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आए हैं। यह फिल्म इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। अब अक्षय ने फिल्म 'टॉक्सिक' में साउथ सुपरस्टार यश के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की।

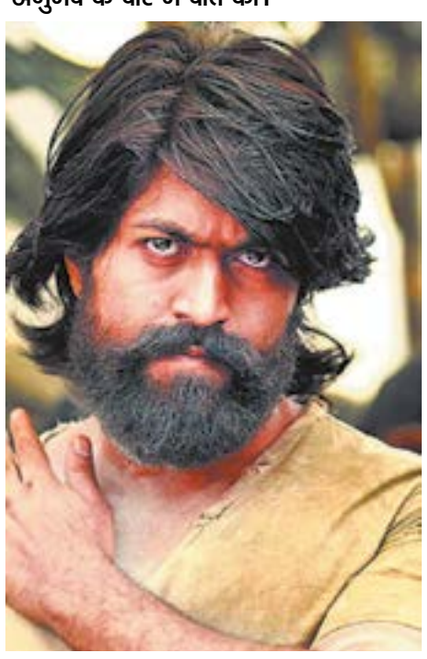

अक्षय ने बताया कि टॉक्सिक की सबसे बड़ी उपलब्धि यश के साथ काम करने का मौका था। पूरी दुनिया यश की प्रशंसक है। उनके साथ काम करके, मैंने इतना कुछ सीखा कि मुझे एहसास हुआ कि मुझमें क्या कमी थी। मैं यहां यह कह रहा हूं कि काश इंडस्ट्री मुझे ज्यादा नोटिस करती और आप ये सवाल पूछ रहे हैं मैं इससे सहमत हूं। लेकिन वह वन-मैन इंडस्ट्री की तरह हैं। उन्हें किसी की जरूरत नहीं है। उन्हें अपनी प्रतिभा साबित करने या ऑफर देने के लिए किसी की जरूरत नहीं है। उन्हें अवसरों की जरूरत नहीं है, वह खुद उन्हें बनाते हैं। यह बहुत प्रेरणादायक है। वह एक-व्यक्ति, चलता-फिरता, बोलता इंडस्ट्री है। मैं बस यही सोचता था कि अगर मैं उनके इस कैरेक्टर और ऊर्जा को पकड़ सकता हूं, तो मुझे भी कोई नहीं रोक सकता। 'टॉक्सिक' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं फैंस गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित 'टॉक्सिक' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इसे यश की आगामी मच अवेटेड फिल्मों में गिना जा रहा है। फिल्म की कहानी को लेकर अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।
फिल्म को पहले इसी साल रिलीज होना था, लेकिन अब इसे अगले साल 2026 में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। 'टॉक्सिक' के अलावा यश नितेश तिवारी की 'रामायण' को लेकर भी चर्चाओं में हैं।

साउथ में और भी काम करना चाहते हैं अक्षय

टॉक्सिक को लेकर अक्षय ने कहा कि फैंस ढेर सारे सरप्राइज की उम्मीद कर सकते हैं। मुझे लगता है कि इस फिल्म के बारे में जितना कम कहूं, उतना ही अच्छा है। फिल्म में ढेर सारे सरप्राइज हैं। मुझे अपने किरदार में बहुत मजा आया और मुझे एक्शन करना बहुत पसंद है। आगे साउथ में और भी काम करने पर एक्टर ने कहा कि अगर मुझे मौका मिलेगा तो मैं जरूर करूंगा। मैं मलयालम, तेलुगु या तमिल फिल्म में काम करना पसंद करूंगा। मुझे साउथ में काम करने का अनुभव बहुत अच्छा लगा और मैं उम्मीद करता हूं कि मुझे वहां से और भी काम मिलेगा। नई भाषा में काम करने की चुनौती के बारे में अक्षय ने कहा कि मुझे भाषाओं और लहजों में रुचि है और मुझे उनसे आनंद मिलता है। बेशक यह एक चुनौती है, लेकिन मुझे इसमें बहुत मजा आता है। भाषाएं और लहजे सीखना मेरे लिए स्वाभाविक है। इसलिए मुझे काम में मजा आया।

एक एक्टर और निर्देशक के रूप में कांतारा मेरे लिए एग्जॉस्ट करने वाली फिल्म रही

क्लैपर बॉय से एक्टर-डायरेक्टर बनने के सफर में ऋषभ शेट्टी के करियर में कड़े संघर्ष के कई दौर आए, मगर कलाकार बनने का उनका जज्बा कभी भी धूमिल नहीं हुआ। सहायक निर्देशक और एक-दो सीन वाली भूमिकाएं करने वाले ऋषभ ने गुजारे के लिए छोटे-बड़े सभी काम किए और आखिरकार उनकी किस्मत का सितारा चमका कांतारा की सुपर सक्सेज से। इन दिनों वे चर्चा में हैं कांतारा चैप्टर 1 से।

एक अदाकार के रूप में आपकी यात्रा के बारे में बात करूं, तो उसमें भी कई उतार-चढ़ाव और संघर्ष रहा?

हर किसी को अपने हिस्से का संघर्ष तो करना ही पड़ता है। खास तौर पर मैं अगर आर्ट फॉर्म की बात करूं, तो आप उसे नहीं चुनते बल्कि वो आपको चुनता है। आपको यहां तक पहुंचने के लिए एक प्रक्रिया से तो गुजरना ही पड़ता है। मैं अपने संघर्ष को एक प्रोसेस मानता हूं। ये सच है कि मैंने छोटे-बड़े सभी काम किए हैं। मैं पानी की बोतलें बेचा करता था। मैंने रियल एस्टेट और होटल में भी काम किया। इंडस्ट्री में मैंने क्लैपर बॉय के रूप में शुरुआत की। कई छोटे-छोटे रोल्स किए, मगर मैंने कभी किसी काम को कमतर नहीं समझा। अपनी पहली कमाई आज भी याद है मुझे। पानी की बोतल बेच कर मैंने 25 रुपए कमाए थे। मैं एक बड़ी मैडम के घर पानी पहुंचाने गया था और उस काम के मुझे 25 रुपए मिले थे। उस वक्त पच्चीस रुपए भी बहुत बड़ी रकम लगी थी मुझे।

आप एक ऐसे कलाकार हैं, जो परिवार को साथ लेकर चलने में यकीन रखते हैं।

बिलकुल, क्योंकि परिवार नहीं होगा, तो मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं होगा। मेरी पत्नी प्रगति कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं। इस पार्ट वन और टू की कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग उन्होंने ही की है। पार्ट वन रहा हो या टू वे पूरी तरह से मेरी इमोशनल स्ट्रेंथ रहीं। खतरनाक एक्शन सीन्स के दौरान वे लगातार भगवान से प्रार्थना करती थीं। उन्हें पूरी यूनिट की चिंता रहती थी। शूटिंग के दौरान मैं महीनों तक घर नहीं जा पाता था, क्योंकि हमें लगातार शूटिंग करनी होती थी, ऐसे समय में मैं लोकेशन के आस-पास की जगहों या होटल्स में ठहरता था ताकि अगले दिन समय पर शूटिंग में पहुंच सकूं। एक एक्टर और निर्देशक के रूप में कांतारा मेरे लिए एक एग्जॉस्ट करने वाली फिल्म रही है, ऐसे में भावनात्मक रूप से उन्होंने ही मुझे संभाला। शूटिंग दौरान वे घर में बच्चों की देखरेख भी कर रही थीं और मुझसे मिलने शूटिंग पर भी आया करती थीं।

आज दर्शक हर भाषा में कॉन्टेंट देख रहा है, मगर भाषा के नाम पर जो विवाद पैदा किए जाते हैं, उनके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

हमारी डायवर्सिटी हमारी सबसे बड़ी ताकत है और इसे समझाना होगा। तभी तो हमारे करेंसी नोट पर कोई एक भाषा नहीं होती। हमारे नोट पर जितनी भाषाएं हैं, असल में हमारे पास उससे भी कहीं अधिक लैंग्वेज हैं। यही भारत की पहचान है। मेरा मानना है कि भाषा पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। हम सभी को एक-दूसरे की भाषाओं को सम्मान देना चाहिए। हमारी मातृभाषा हमारे चरित्र की परिचायक है। हम जब सामने वाले की भाषा को इज्जत देंगे, तभी हमारी भाषा को रिस्पेक्ट मिलेगी।

अपनी पहली फिल्म कांतारा से पैन इंडिया स्टार का दर्जा हासिल करना कैसा लगता है?

सच कहूं, तो मैं इन बातों को नहीं समझता। मुझे तो यही सब जिम्मेदारी लगती है। मुझे लगता है कि मुझे यदि देश भर के लोग पसंद कर रहे हैं, तो मुझे ज्यादा जिम्मेदार होने की जरूरत है। मुझे और अधिक कोशिश करनी होगी कि मैं लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरूं। सफलता और तारीफ हासिल करने के बाद मुझे लगता है कि मेहनत डबल हो जाती है।

फिल्म में एक्टर-डायरेक्टर की दोहरी जिम्मेदारी का संतुलन कैसे स्थापित किया

इसका श्रेय मैं अपनी टीम को देना चाहूंगा। चाहे वो मेरे राइटर्स की टीम हो , प्रोड्यूसर हों या कैमरामैन, मैं अगर कोई एक आइडिया पिच करता हूं, तो हर कोई मेरा साथ देने को तैयार हो जाता है। हम साथ मिलकर आईडिया एक्स्प्लोर कर लेते हैं। अब जैसे इस फिल्म की मूल कहानी हमारे देव कोला और लोक कथाओं से प्रेरित थी। जब इस कहानी का विचार आया तो सभी को भा गया। मुझे लगता है, किसी भी फिल्म की सफलता का क्रेडिट टीमवर्क को जाता है।

भारतीय रेलवे ने पिछले 11 वर्षों में प्रगति के महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए, बुलेट ट्रेन परियोजना जल्द शुरू होगी

■ रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने एकता नगर रेलवे स्टेशन और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया

नर्मदा (ईएमएस) रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना इन दिनों दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। आज उन्होंने एकता नगर के ग्रीन रेलवे स्टेशन का दौरा किया। इसके साथ ही उन्होंने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का भी अवलोकन किया। मंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारतीय रेलवे ने प्रगति के मार्ग पर उल्लेखनीय कदम बढ़ाए हैं। वर्ष 2014 के बाद से रेलवे केवल यात्रा का साधन नहीं रहा, बल्कि यह देश के आर्थिक और सामाजिक विकास का सशक्त स्तंभ बन गया है। रेलवे लाइन के विस्तार, विद्युतीकरण, स्टेशन अपग्रेडेशन, नई पटरि22याँ, हाई-स्पीड कॉरिडोर और सुरक्षित यात्रा जैसे क्षेत्रों में गुणात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। सोमन्ना ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में एकतानगर, वडोदरा, अहमदाबाद, सूरत और राजकोट जैसे शहरों में रेलवे सुविधाएँ आधुनिक स्तर पर पहुँची हैं। प्रधानमंत्री के ''विकसित भारत 2047'' के विजन में रेलवे की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। एकता नगर स्टेशन पूरी तरह से हरित (ग्रीन) और पर्यावरण-मित्र तकनीक से संचालित है। प्रत्येक स्टेशन पर स्वच्छता, सौर ऊर्जा, डिजिटल इंडिकेटर, लिफ्ट, एस्केलेटर और स्मार्ट टिकटिंग सिस्टम जैसी सुविधाएँ विकसित की जा रही हैं। भारत के परिवहन इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होने वाली बुलेट ट्रेन परियोजना के बारे में उन्होंने बताया कि गुजरात में इसका कार्य तेज़ी से चल रहा है और आने वाले कुछ महीनों में इसकी प्रारंभिक सेवा शुरू होने की संभावना है। बुलेट ट्रेन भारत के गौरव का प्रतीक बनेगी। उन्होंने आगे कहा कि आज गुजरात पूरे देश के लिए विकास का रोल मॉडल बन गया है। रेलवे क्षेत्र में भी गुजरात ने दिखाया है कि सही विज़न, संकल्प और कार्यशक्ति से विश्व को चुनौती दी जा सकती है। रेलवे मंत्री वी. सोमन्ना ने एकता नगर रेलवे स्टेशन का दौरा करते हुए कहा कि अहमदाबाद से मुंबई तक की बुलेट ट्रेन कुछ ही महीनों में शुरू होगी। बुलेट ट्रेन कब शुरू होगी इस पर उन्होंने कहा कि यह तो ''बड़े साहब'', यानी प्रधानमंत्री मोदी जानते हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात राज्य देश में एक मॉडल के रूप में प्रसिद्ध हुआ है। दिवाली के समय यात्रियों की आवश्यकता के अनुसार नई ट्रेनों को जोड़ा जाएगा। वडोदरा से रतलाम तक 259 किलोमीटर की नई रेल लाइन को मंजूरी मिल चुकी है। अहमदाबाद और साबरमती रेलवे स्टेशन का कार्य भी तेज़ी से चल रहा है। गुजरात राज्य में व्यापक विकास हुआ है। भारतीय रेलवे का बजट भी बढ़ा है और रेलवे के माध्यम से देश का विकास हो रहा है। आज भारत दुनिया के देशों को चुनौती दे रहा है, जिसमें गुजरात राज्य एक मॉडल बनकर उभरा है।

आज-कल जोहो चर्चा में, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और मेटा को दे रहा टक्कर!

■ गुरजात सरकार ने सभी ऑसिसेस के एचओडी को स्विच करने के दिए आदेश

अहमदाबाद,(ईएमएस)। जोहो इन दिनों चर्चा में है। ऐसा लग रहा है जैसे ये कंपनी अकेली माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और मेटा को टक्कर दे रही है। हाल में गृह मंत्री अमित शाह ने जानकारी दी कि वह जोहो मेल पर स्विच कर रहे हैं। अब गुरजात सरकार ने सभी ऑसिसेस के एचओडी को जोहो पर स्विच करने का आदेश दिया है।

साइंस और टेक्नोलॉजी विभाग की ओर से जारी सर्कुलर में कहा गया है कि ये स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत की ओर एक कदम है। घरेलू कंपनी को बढ़ावा देने के लिए सभी विभाग, पब्लिक सेक्टर कंपनी, बोर्ड्स और कार्पोरेशन को जोहो मेल और जोहो ऑफिस सूट इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। गुजरात सरकार का ये आदेश ऐसे वक्त आया है जब देश भर में जोहो की चर्चा तेज है।

गृह मंत्री शाह ने भी इसी हफ्ते जोहो मेल पर स्विच करने की जानकारी एक्स पर शेयर की थी। उन्होंने इसके साथ ही अपनी नई आधिकारिक ईमेल ईडी भी शेयर की। गृह मंत्री के इस पोस्ट पर जोहो ने रिप्लाई कर शुक्रिया अदा किया था। जोहो पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में बना हुआ है। एक-एक करके कंपनी के सभी ऐप्स और टूल्स पर लोगों की नजर है। ये बेंगलुरू बेस्ड कंपनी है, जिसके फाउंडर श्रीधर वेम्बू हैं। कंपनी के पास 45 से ज्यादा प्रोडक्ट्स और सर्विसेस हैं। चर्चा ना सिर्फ जोहो मेल की हो रही है बल्कि अरातई की भी है।

ये कंपनी का वॉट्सऐप जैसा इंस्टैंट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म है। इस प्लेटफॉर्म पर कॉलिंग और टेस्टिंग दोनों कर सकते हैं। हालांकि इस पर टेक्स्ट मैसेजेज के लिए एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन नहीं मिलता है। श्रीधर वेम्बू ने बताया है कि उनकी टीम इस फीचर पर काम कर रही है और नवंबर तक ये फीचर भी अरातई पर लाइव हो जाएगा। इसके अलावा माइक्रोसॉफ्ट और गूगल की तरह ही जोहो कई टूल्स ऑफर करता है। ये टूल्स पावरपॉइंट, एमएस वर्ड जैसे प्लेटफॉर्म्स के राइवल हैं। जोहो ना सिर्फ स्वदेशी कंपनी है बल्कि इसकी सर्विसेस भी दूसरी कंपनियों के मुकाबले सस्ती है। ये भी इसकी पॉपुलैरिटी का एक प्रमुख कारण है। हालांकि, पिछले कुछ दिनों में इसकी पॉपुलैरिटी बढ़ने का मुख्य कारण कई मंत्रियों का इस सर्विस पर स्विच करना।

पालघर के सरकारी आश्रम में दो छात्रों ने की आत्महत्या

पालघर (ईएमएस)। महाराष्ट्र के पालघर के वाडा तालुका स्थित सरकारी आश्रम स्कूल में 14 एवं 15 साल के दो छात्रों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। अभी तक घटना का कोई स्पष्ट कारण पता नहीं चला है।

दसवीं क्लास में पढ़ने वाले छात्र देवीदास नवले तथा नौवीं कक्षा के छात्र मनोज वाड ने कपड़े टांगने वाली रस्सी के जरिए पेड़ से लटक कर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। यह आश्रम स्कूल आदिवासी समुदाय एवं अन्य वंचित समूह के लिए चल रहा है। इस आवासीय स्कूल में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने के बाद से यहां के लोगों में गुस्सा है। यहां के छात्र भयभीत हैं।

72 साल के बुजुर्ग को दिया मुनाफे का लालच, करीब डेढ़ करोड़ की लगा दी चपत

मुंबई,(ईएमएस)। ठाणे के कसारवडवली इलाके में 72 साल के एक बुजुर्ग के साथ ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग घोटाले का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक बुजुर्ग के साथ यह धोखाधड़ी जुलाई 2025 से सितंबर 2025 के बीच की गई। ठगों ने व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए ऊंचे मुनाफे का लालच देकर पीड़ित को जाल में फंसाया और फिर उससे करीब 1.39 करोड़ रुपए हड़प लिए।

पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता को ठगों ने कई बार फोन और मैसेज के जरिए संपर्क किया। वे खुद को शेयर बाजार का जानकार और निवेश विशेषज्ञ बताकर बात करते थे। उन्होंने बुजुर्ग को भरोसा दिलाया कि उनके बताए लिंक पर निवेश करने से उसे कम समय में भारी मुनाफा होगा। पुलिस ने बताया कि ठगों ने पीड़ित को कई व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा, जहां बड़ी संख्या में सदस्य थे जो खुद को सफल निवेशक बताते थे। वहां से उन्हें 'निवेश लिंक' भेजे गए और लाखों रुपए ट्रांसफर करने के निर्देश दिए गए।

पीड़ित ने शुरुआत में ठगों की बातों पर भरोसा कर कई किस्तों में रकम जमा की, लेकिन कुछ समय बाद जब वादा किया गया मुनाफा नहीं मिला, तो उन्होंने आरोपियों से सवाल पूछना शुरू कर दिया। तभी ठगों ने अचानक सभी संपर्क तोड़ दिए और मैसेज का जवाब देना बंद कर दिया। जब पीड़ित को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हो गई है, तो उसने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। बुधवार को एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस अब आरोपियों की पहचान और ठिकाने का पता लगा रही है। अधिकारी ने बताया कि प्राथमिक जांच में यह संगठित साइबर फ्रॉड का मामला लग रहा है।

सीजेआई के अपमान वाला वीडियो शेयर करने पर हुई एफआईआर

मुंबई(ईएमएस)। देश के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई के सामने जूता उछालने का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि एक और उन्हे अपमानित करने वाला वीडियो वायरल हो गया। वीडियो सीजेआई को अपमानित करने वाला बताया जा रहा है। इस मामले में एक व्यक्ति ने खारघर पुलिस स्टेशन में वीडियो डालने वाले के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। खारघर पुलिस स्टेशन में एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर देश के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई का अपमान करने वाले एआई-जनित वीडियो को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के बाद पुलिस ने किक्की सिंह नामक सोशल मीडिया अकाउंट धारक और इस वीडियो को बनाने, संपादित करने, पोस्ट करने तथा साझा करने में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किया गया यह वीडियो एआई तकनीक से तैयार किया गया था, जिसमें मुख्य न्यायाधीश का अपमानजनक चित्रण किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने संबंधित वीडियो बरामद कर लिया है और सोशल मीडिया कंपनी को ई-मेल भेजकर वीडियो को तत्काल हटाने की मांग की है।

मणिपुर में सरकार गठन की कवायद तेज

नई दिल्ली(ईएमएस)। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को हटाने और नई सरकार के गठन के प्रयास तेज हो गए हैं। भाजपा के विधायक, पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मिलने और सरकार बनाने पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली है कि मणिपुर में सरकार बनाने के लिए कई मैतेई विधायक सक्रिय रूप से कुकी विधायकों से संपर्क साध रहे हैं, ताकि सरकार गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके।

बताया जा रहा है कि मणिपुर विधानसभा के स्पीकर सत्यब्रत ठाकुर, विधायक ब्रोजन पाओनाम (वांगजिंग तेंथा) और रोबिंद्रो टोंगब्राम ने दिल्ली में पूर्व कुकी मंत्री लेतपाओ हाओकिप से मुलाकात की है। सूत्रों का कहना है कि ये विधायक बिहार विधानसभा चुनाव के बाद मणिपुर में सरकार गठन के लिए पार्टी नेतृत्व को मना रहे हैं।

शीर्ष नेताओं से मुलाकात भाजपा के पांच प्रमुख विधायकों ने बीएल संतोष से मुलाकात की है। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, टीएच बिस्वजीत सिंह, गोविंददास कोंथौजम, टीएच सत्यव्रत और इबोमचा के। शामिल हैं। इन विधायकों के करीबी सूत्रों ने बताया कि वे पार्टी नेताओं को यह विश्वास दिला रहे हैं कि मणिपुर में हालात धीरे-धीरे सामान्य की तरफ बढ़ रहे हैं और यह सरकार बनाने और राष्ट्रपति शासन हटाने का उपयुक्त समय है। आपको बता दें कि 13 फरवरी 2025 को राष्ट्रपति ने अनुच्छेद 356 के तहत मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा की थी। संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति शासन 6 महीने तक वैध होता है। इसके बाद अगस्त 2025 में इसे अगले छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया था।

सबरीमला मंदिर से सोने की चोरी के मामले में केरल हाई कोर्ट ने पुलिस को मामला दर्ज करने का कहा

कोच्चि (ईएमएस)। सबरीमला मंदिर की गोल्डन चौखट और द्वारपालों के स्वर्ण कवच से सोने की चोरी के मामले में केरल हाई कोर्ट ने राज्य पुलिस को आपराधिक मामला दर्ज करके जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि जांच से लगता है कि सोने की हेराफेरी की गई है। केरल हाईकोर्ट के जस्टिस राजा विजयराघवन वी। और जस्टिस के।वी। जयकुमार की पीठ ने केस दर्ज करके जांच का आदेश देते हुए कहा कि दाखिल सतर्कता रिपोर्ट से पता चला है कि काफी मात्रा में सोना (लगभग 474।9 ग्राम) उन्नीकृष्णन पोट्टी (सोने की परत चढ़ाने का प्रस्ताव देने वाले प्रायोजक) को सौंपा गया था। हालांकि रिकॉर्ड से यह पता नहीं चलता कि इतना सोना उसने त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) को सौंपा था। अब तक की जांच से ऐसा लगता है कि सोने की हेराफेरी की गई है। हाई कोर्ट ने इस मामले में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) को चौखट के अलावा जांच के दौरान सामने आने वाले अन्य पहलुओं की भी पड़ताल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि सतर्कता रिपोर्ट त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के समक्ष रखी जाए, जो उसे राज्य पुलिस प्रमुख को भेजेगा।

torrent POWER DNHDD

बिजली बंद होने की सूचना

उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नेटवर्क रखरखाव की योजना बनाई है। निम्न दर्शित संबंधित सबस्टेशनों के ग्राहको को मिलनेवाली बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। कृपया तदनुसार आपकी गतिविधियों की योजना बनाएं। हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

दिनांक	सबस्टेशन	फीडर	क्षेत्र का नाम
१५/१०/२०२५ बुधवार समय : सुबह १०-०० से ६-००	आमली	११ केवी आमली-७ फीडर	आदित्य इंडस्ट्रीज़, रामदुत इंडस्ट्रीज़, नंदिनी इंडस्ट्रीज़ एस्टेट, मोडेश्वरी प्लास्टिक, विनायक टेक्सटाइल, आर.डी. यार्न्स, जी.आर. पेट, क्षीतिज पॉलीलाइन, शांतिनाथ प्लास्टिक, बीटा कॉस्मेटिक्स
	पीपरीया	११ केवी पीपरीया-५ फीडर	दीपक पॉलिएस्टर, वेंकटेश्वरी फिलामेंट, हिंदुस्तान कॉटन, कोणार्क पॉलिमर्स, मालेश्वर इंडस्ट्रीज़ ऐस्टेट, दान उद्योग इंडस्ट्रीज़ एस्टेट, बिंदल पैकेजिंग, एलपी पॉलीप्लास्ट, लक्ष्मी मर्केंटाइल, पारस टेक्सटाइल्स

असुविधा के लिए खेद है।

दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव पावर डिस्ट्रीब्युशन कोर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा वरिष्ठ एवं दिव्यांग नागरिकों के लिए विभिन्न बिजली संबंधित सेवाए, जिनको घर बैठे कॉल करके प्राप्त किया जा सकता है।

• बिजली बिल में नाम बदलना • बिजली कनेक्शन के स्थान में परिवर्तन
• बिजली आपूर्ति में सुधार • नए बिजली कनेक्शन के लिए
• बिजली बिलों का भुगतान

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित

24/7 Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551
connect.torrentpower.com
connect.dnhdd@torrentpower.com

दीपावली से पहले दिल्ली सरकार ने 694 करोड़ रुपये का जीएसटी रिफंड जारी किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। दीपावली से पहले दिल्ली सरकार ने राजधानी के कारोबारियों को बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि सरकार ने इस वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 694 करोड़ रुपये का जीएसटी रिफंड जारी किया है, जो एक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि छोटे-बड़े सभी व्यापारियों को तय समय सीमा में जीएसटी रिफंड देने के लिए उनकी सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों से प्रेरित होकर 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' की नीति पर गंभीरता से कार्य कर रही है। सरकार बड़े बाजारों के पुनर्विकास की योजनाओं पर काम कर रही है और व्यापारियों की समस्याओं को हल करने के लिए दिल्ली व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि जब व्यापारियों को कारोबार चलाने में आसानी होगी, तभी विकसित दिल्ली का सपना पूरा होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछली सरकारों ने जीएसटी रिफंड प्रक्रिया को गंभीरता से नहीं लिया था, जिससे लंबित रिफंड बढ़ते गए। लेकिन उनकी सरकार ने इसे प्राथमिकता दी और आईआईटी-हैदराबाद के सहयोग से एक उन्नत आईटी मॉड्यूल विकसित किया है। यह मॉड्यूल डेटा एनालिटिक्स, ऑटोमेशन और तेज जांच प्रक्रिया पर आधारित है, जिससे रिफंड आवेदन तेजी से निपटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस वित्त वर्ष में अप्रैल से अब तक 7375 रिफंड आवेदनों का निपटारा कर 694 करोड़ रुपये की राशि व्यापारियों के खातों में जमा कर दी है। इसके साथ ही सितंबर माह में अकेले 227 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया, जो अब तक का सबसे बड़ा मासिक रिफंड रिकॉर्ड है।

FACTORY AVAILABLE FOR
RENT OR LEASE
AREA 14000 SQ.FEET
CONTACT
9821144411 / 9372562805
Plot No 343/14 Balda Industrial Park,
Pardi, District valsad

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित। (समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)